R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 91
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
मंगलवार, 09 दिसम्बर, 2025

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

3 मतदाताओं को जागरूक करने के लिए आगे आए ... 5 किसान मोर्चा ने किया विद्युत विभाग पर प्रदर्शन 7 जल्द ओटीटी पर रिलीज हो रहा है 'फोर मोर ...

बापू की भावनाओं पर कौन सी ताकत पड़ गई भारी? पीएम मोदी ने इतिहास की ऐसी-ऐसी परतें खोलीं, पूरी संसद बजाने लगी तालियां

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। संसद में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक विशेष चर्चा हुई, जिसकी शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में की। वंदे मातरम् का जो जन-जन से जुड़ाव था, वह हमारे स्वतंत्रता संग्राम की एक लंबी गाथा की अभिव्यक्ति बन जाता है। जब भी किसी नदी की चर्चा होती है, तो उस नदी के साथ एक सांस्कृतिक धारा-प्रवाह, एक विकास-यात्रा की धारा-प्रवाह, एक जन-जीवन की धारा-प्रवाह स्वतः जुड़ जाती है। लेकिन क्या कभी किसी ने सोचा है कि आजादी की जंग की पूरी यात्रा वंदे मातरम् की भावनाओं से होकर गुजरती थी? ऐसा भाव-काव्य शायद दुनिया में कहीं उपलब्ध नहीं होगा।

अंग्रेज समझ चुके थे कि 1857 के बाद भारत में लंबे समय तक टिक पाना उनके लिए मुश्किल होता जा रहा है। लोकसभा में वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर आयोजित चर्चा में पीएम मोदी ने वंदे मातरम के कहा कि जब वंदे मातरम् के 50 वर्ष पूरे हुए थे, तब देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था जब इसके 100 वर्ष पूरे हुए, तब देश आपातकाल के अंधेरे में था।

प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ पर कहा, 'तुष्टीकरण की राजनीति के दबाव में कांग्रेस वंदे मातरम् के बंटवारे के लिए झुकी इसलिए कांग्रेस को एक दिन भारत के बंटवारे के लिए झुकना पड़ा... दुर्भाग्य से कांग्रेस की नीतियां वैसी की वैसी हैं, आईएनसी चलते-चलते एमएमसी हो गया है।

जिस प्रकार के सपने लेकर वे आए थे, उन्हें यह साफ दिखने लगा कि जब तक भारत को बांटा नहीं जाएगा, लोगों को आपस में लड़ाया नहीं जाएगा, तब तक यहां राज करना कठिन है। तब अंग्रेज़ों ने 'बांटो और राज करो' का रास्ता चुना, और उन्होंने बंगाल को इसकी प्रयोगशाला बनाया। अंग्रेजों ने 1905 में बंगाल का विभाजन किया, तो वंदे मातरम् चट्टान की तरह खड़ा रहा। यह नारा गली-गली का स्वर बन गया। अंग्रेजों ने बंगाल विभाजन के माध्यम से भारत को कमजोर करने की दिशा पकड़ ली थी, लेकिन वंदे मातरम् अंग्रेजों के लिए चुनौती और देश के लिए शक्ति की चट्टान

बनता गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा 1875 में लिखित वंदे मातरम् जब देश की ऊर्जा और प्रेरणा का मंत्र बन रहा था और स्वतंत्रता संग्राम का नारा बन गया था, तब मुस्लिम लीग की विरोध की राजनीति और मोहम्मद अली जिन्ना के दबाव में कांग्रेस झुक गई। उन्होंने कहा, ''तब कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष नेहरू को अपना सिंहासन डोलता दिखा। नेहरू जी मुस्लिम लीग के आधारहीन बयानों पर करारा जवाब देते, मुस्लिम लीग के बयानों की निंदा करते, वंदे मातरम के प्रति खुद की और कांग्रेस पार्टी की निष्ठा को प्रकट करते, उसके बजाय उन्होंने वंदे मातरम् की ही पड़ताल शुरू कर दी।

बंगाल की एकता के लिए वंदे मातरम् गली-गली का नारा बन गया था, और यही नारा बंगाल को प्रेरणा देता था।1907 में जब वी.ओ. चिदंबरम पिल्लै ने स्वदेशी कंपनी का जहाज बनाया, तब उस पर भी 'वंदे मातरम' लिखा था। राष्ट्रकवि सुब्रमण्यम भारती ने वंदे मातरम् का तमिल में अनुवाद किया। अंग्रेजों ने अखबारों पर रोक लगा दी, तो मैडम भीकाजी कामा ने पेरिस में एक अखबार निकाला, और उसका नाम उन्होंने वंदे मातरम रखा। हमारे जांबाज सपूत बिना किसी डर के फांसी के तख्त पर चढ़ जाते थे और आखिरी सांस तक वंदे मातरम् कहते थे। खुदीराम बोस, अशफ़ाक उल्ला खा़न, राम प्रसाद बिस्मिल, रोशन सिंह, राजेन्द्रनाथ लाहिड़ीष्ठ हमारे अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों ने वंदे मातरम् कहते हुए फांसी को चूम लिया। यह अलग-अलग जेलों में होता था, लेकिन सबका एक ही मंत्र था, वंदे मातरम। चटगांव की स्वराज क्रांति में जिन युवाओं ने अंग्रेजों को चुनौती दी, वो भी इतिहास के चमकते हुए नाम थे। मास्टर सूर्यसेन को 1934 में जब फांसी दी गई तब उन्होंने अपने साथियों को एक पत्र लिखा और पत्र में एक ही शब्द की गूंज थी और वह शब्द था, वंदे मातरम।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन्ना के विरोध के पांच दिन बाद ही तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष नेहरू ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को पत्र लिखा और उसमें जिन्ना की भावना से सहमति जताते हुए कहा ''वंदे मातरम की आनंद मठ की पृष्ठभूमि मुसलमानों को इरिटेट (क्षुब्ध) कर सकती है।'' इसके बाद कांग्रेस ने वंदे मातरम् के उपयोग की समीक्षा की घोषणा की जिससे पूरा देश हैरान था। मोदी ने कहा, ''देशभक्तों ने इस प्रस्ताव के विरोध में देश के कोने कोने में प्रभात फेरियां निकालीं, वंदे मातरम् गीत गाया। लेकिन देश का दुर्भाग्य कि 26 अक्टूबर (1937) को कांग्रेस ने वंदे मातरम् पर समझौता कर लिया। वंदे मातरम् के टुकड़े करने के फैसले में नकाब यह पहना गया कि यह तो सामाजिक सद्भाव का काम है। लेकिन इतिहास इस बात का गवाह है कि कांग्रेस ने मुस्लिम लीग के सामने घुटने टेक दिए और मुस्लिम लीग के दबाव में यह किया।

1 करोड़ के इनामी नक्सली रामधेर मज्जी ने गिरोह के साथ किया सरेंडर एमएमसी ज़ोन हुआ नक्सल मुक्त

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कुख्यात नक्सली कमांडर और सेंट्रल कमेटी मेंबर (सीसीएम) रामधर मज्जी ने सोमवार को अपने ग्रुप के साथ पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उसे हिडमा जैसा ही माना जाता था। उस पर एक करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। मज्जी ने छत्तीसगढ़ बकर कट्टा थाने में आत्मसमर्पण कर दिया। एमएमसी ज़ोन में सक्रिय सीसी (सेंट्रल कमेटी) सदस्य मज्जी अपने डिवीजनल कमेटी सदस्यों के साथ पहुँचे और एके-47 राइफल सहित हथियार डाल दिए। उनके साथ, एसीएम रामसिंह दादा और एसीएम सुकेश पोट्टम ने भी अपने हथियार सौंपकर आत्मसमर्पण कर दिया।

पुलिस ने एके-47, इंसास राइफल, एसएलआर, .303 राइफल और 0.30 कार्बाइन सहित हथियारों का एक बड़ा जखीरा बरामद होने की पुष्टि की है। आत्मसमर्पण करने वालों में छह महिला कार्यकर्ता भी शामिल थीं, जो माओवादी आंदोलन में महिलाओं की गहरी भागीदारी को उजागर करता है। इस सूची में लक्ष्मी, शीला, योगिता, कविता और सागर के साथ-साथ डीवीसीएम (डिवीजनल कमेटी सदस्य) ललिता और डीवीसीएम जानकी भी शामिल हैं। अन्य प्रमुख नामों में डीवीसीएम चंदू उसेंडी और डीवीसीएम प्रेम शामिल हैं।

अधिकारियों ने बताया कि उनके आत्मसमर्पण से क्षेत्र में माओवादी नेटवर्क को करारा झटका लगा है। पुलिस सूत्रों ने खुलासा किया है कि यह समूह महाराष्ट्र-मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ विशेष क्षेत्रीय समिति क्षेत्र में सक्रिय था, जहाँ वे अपनी गतिविधियाँ संचालित करते थे और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए लगातार खतरा पैदा करते थे।

दिल्ली पुलिस ने एक दर्जन से ज्यादा मामलों में वांछित बावरिया गिरोह के सदस्य को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली पुलिस ने बावरिया गिरोह के एक वांछित सदस्य एवं कथित तौर पर एक अंतरराज्यीय अपराधी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह आरोपी कई मामलों में फरार था।

अधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश के शामली निवासी आरोपी संजय उर्फ झल्लू को पंजाब के मंडी गोबिंदगढ़ से गिरफ्तार कर लिया गया जहां वह गिरफ्तारी से बचने के लिए छुपा हुआ था।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) हर्ष इंदौरा ने बताया कि संजय एक घोषित अपराधी है, जो दिल्ली और उत्तर प्रदेश में हत्या के प्रयास, डकैती, झपटमारी, सेंधमारी, चोरी और शस्त्र अधिनियम के उल्लंघन सहित 34 आपराधिक मामलों में शामिल है। आदर्श नगर थाने में दर्ज एक झपटमारी के मामले में भी उसे पहले दोषी ठहराया जा चुका है।

पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) ने बताया कि आरोपी अपने साथियों के साथ मिलकर एक संगठित अपराध गिरोह चला रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए बार-बार उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब के बीच घूमता रहता था। उत्तर प्रदेश पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी पर नकद इनाम भी घोषित किया था।

डीसीपी ने बताया कि पुलिस ने करीब दो हफ्ते तक संजय की गतिविधियों पर नजर रखी और रविवार को मंडी गोबिंदगढ़ स्थित उसके ठिकाने पर छापा मारा गया जहां से उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान संजय ने पुलिस को बताया कि उसने एक दशक पहले अपने गांव के साथियों के साथ मिलकर दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, चंडीगढ़ और दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों सहित कई राज्यों में डकैती तथा झपटमारी की वारदातें शुरू की थीं।

पुलिस ने कहा कि जमानत मिलने के बाद भी वह बार-बार आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहता और अदालत में पेश होना बंद कर देता था, जिसके कारण उसके खिलाफ कई गैर-जमानती वारंट जारी किए गए तथा उसे भगौड़ा अपराधी घोषित कर दिया गया। डीसीपी ने बताया कि दिल्ली, गाजियाबाद, मुरादाबाद और अमरोहा में उसके खिलाफ दर्ज कई मामलों की जांच की जा रही है।

बीएपीएस संस्था के प्रमुख स्वामी महाराज ने नर में नारायण को देखने का सिद्धांत साकार किया : शाह

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को यहां कहा कि बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था के प्रमुख स्वामी महाराज ने भक्ति और सेवा को जोड़ा और नर में नारायण को देखने के वैदिक सिद्धांत को साकार किया।

बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था द्वारा आयोजित प्रमुख वर्णी अमृत महोत्सव में अपने संबोधन के दौरान शाह ने कहा कि प्रमुख स्वामी महाराज ने आध्यात्मिकता एवं वैष्णव दर्शन को व्यापक और व्यावहारिक बनाया।

शाह ने कहा, ''प्रमुख स्वामी महाराज ने भक्ति और सेवा को जोड़ा और नर में नारायण के वैदिक सिद्धांत को साकार किया। कर्म और करुणा के माध्यम से प्रमुख स्वामी महाराज ने दूसरों के जीवन को बेहतर बनाने की प्राचीन ऋषि संस्कृति को पुनर्जीवित किया। इसके साथ ही उन्होंने संपूर्ण सनातन धर्म के लिए एक महान कार्य किया। उन्होंने बिना कोई विशिष्ट शिक्षा दिए ही सनातन धर्म के विभिन्न संप्रदायों में संतत्व का सार स्थापित किया।''

तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन यहां साबरमती रिवरफ्रंट पर 2025 में प्रमुख स्वामी महाराज की बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम संस्था (बीएपीएस) के अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में किया गया है। कार्यक्रम में शाह के अलावा, बीएपीएस प्रमुख महंत स्वामी महाराज और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

अमित शाह

उच्चतम न्यायालय ने इंडिगो की उड़ानें रद्द किए जाने संबंधी याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार किया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। उच्चतम न्यायालय ने इंडिगो की ओर से सैकड़ों उड़ानें रद्द किए जाने के मामले में न्यायिक हस्तक्षेप के अनुरोध वाली याचिका पर सोमवार को तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया और कहा कि केंद्र ने स्थिति का संज्ञान लिया है और इसके समाधान के लिए कदम उठाए हैं।

शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि वह इस तथ्य से अवगत है कि लाखों लोग विभिन्न हवाई अड्डों पर परेशानी झेल रहे हैं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, 'यह एक गंभीर मामला है। लाखों लोग हवाई अड्डों पर परेशानी झेल रहे हैं। हम जानते हैं कि भारत सरकार ने समय पर कार्रवाई की है और इस मुद्दे का संज्ञान लिया है। हम समझते हैं कि लोगों को स्वास्थ्य संबंधी और अन्य महत्वपूर्ण समस्याएं हो सकती हैं।'

एक वकील ने इस मुद्दे का उल्लेख किया और कहा कि पिछले कुछ दिनों में इंडिगो द्वारा कई उड़ानें रद्द की गई हैं और यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। उन्होंने कहा, 'उड़ानों के रद्द होने की सूचना यात्रियों को नहीं दी गई।'' उन्होंने यह भी कहा कि देशभर के 95 हवाई अड्डों पर लगभग 2, 500 उड़ानों में देरी के कारण यात्रियों को परेशानी हो रही है।

सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि इंडिगो की उड़ानों में व्यवधान सातवें दिन भी जारी रहा और सोमवार को विमानन कंपनी ने दिल्ली और बेंगलुरु हवाई अड्डों से 250 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं।

दिल्ली हवाई अड्डे से कुल 134 उड़ानें रद्द की गईं, जिनमें रवाना होने वाली 75 और पहुंचने वाली 59 उड़ानें शामिल हैं। बेंगलुरु हवाई अड्डे से 127 उड़ानें रद्द की गईं, जिनमें रवाना होने वाली 62 और पहुंचने वाली 65 उड़ानें शामिल हैं।

इंडिगो दो दिसंबर से सैकड़ों उड़ानें रद्द करने को लेकर सरकार और यात्रियों दोनों की तीखी आलोचना झेल रही है। कंपनी ने इसके लिए पायलटों की नयी उड़ान ड्यूटी और नियमों में बदलाव का हवाला दिया है। उड़ानें रद्द होने के कारण लाखों यात्री देशभर के हवाई अड्डों पर फंस गए हैं।

इंडिगो पर सरकार का दबाव नहीं पूंजीवादी हावी : अखिलेश यादव

लखनऊ **(एजेंसी)**। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने 'इंडिगो' की उड़ानों के रद्द होने के मुद्दे पर रविवार को आरोप लगाया कि निजी विमानन कंपनी पर सरकार का कोई दबाव काम नहीं कर रहा है, क्योंकि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इससे चुनावी बांड लिए थे।

सहारनपुर के दौरे पर आए सपा मुखिया ने पत्रकारों से बातचीत में इंडिगो की उड़ानों के निरस्त होने से यात्रियों को हो रही परेशानी को लेकर कहा, 'अगर उद्योगपतियों को ताकतवर बना देंगे तो वे सरकार पर दबाव बनाएंगे। सरकार के ऊपर जाकर काम करेंगे। इंडिगो पर सरकार का दबाव नहीं है, इंडिगो वालों से भाजपा ने चुनावी बांड लिए थे। सरकार पर पूंजीवादी हावी हैं।'

लखनऊ स्थित सपा मुख्यालय से जारी एक बयान के अनुसार, पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने कहा, 'भाजपा सरकार में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार चरम पर है। नौकरी, रोजगार नहीं है। थानों में लूट मची है। रुपया लगातार नीचे जा रहा है।'

उन्होंने कहा कि सरकार को संविधान से चलना चाहिए और बाबा साहब डॉ. भीमराव आम्बेडकर द्वारा दिखाए गए रास्ते और उनके द्वारा बनाए गए संविधान से सरकारों को चलना चाहिए।

यादव ने मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कहा कि निर्वाचन आयोग का कार्य ज्यादा से ज्यादा लोगों का वोट बनवाने के लिए होना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया के तहत लोगों के वोट काटे जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा उत्तर प्रदेश में हार गयी है इसीलिए वोट काटे जा रहे हैं। यादव ने दावा किया, 'जो स्थिति है उससे हमारा अनुमान है कि दो करोड़ से तीन करोड़ लोगों का वोट कटेगा। जनता अपने वोट जुड़वाने के लिए कागज ढूंढ रही है। बड़े पैमाने पर लोगों के वोट काटे जा रहे हैं।

बंगाल में बाबरी के शिलान्यास के जवाब में गूँजा गीता पाठ : सनातन संस्कृति संसद में साधु-संतों ने गीता पाठ के जरिये दिया तुष्टिकरण की राजनीति को जवाब

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कोलकाता के प्रतिष्ठित ब्रिगेड परेड ग्राउंड में रविवार को लाखों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने एक अभूतपूर्व आध्यात्मिक माहौल रचा, जब 'पंच लाखो कोंठे गीता पाठ' (पांच लाख स्वरों द्वारा गीता पाठ) कार्यक्रम में साधु-संतों, महात्माओं और भक्तों ने एक स्वर में भगवद्गीता के श्लोकों का सामूहिक पाठ किया। हम आपको बता दें कि 'सनातन संस्कृति संसद' द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में राज्य और देशभर के अनेक मठों के संत सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल, भाजपा के वरिष्ठ नेता, केंद्रीय मंत्री, विधायक और अन्य राजनीतिक हस्तियाँ भी शामिल हुईं, यद्यपि मंच पर इसके आध्यात्मिक स्वरूप पर ही बल दिया गया।

यह आयोजन ऐसे समय हुआ जब एक दिन पहले तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में 'बाबरी मस्जिद' की तर्ज़ पर एक मस्जिद की नींव रखी थी। यह एक ऐसा कदम था जिसे व्यापक रूप से राजनीतिक उद्देश्यों से प्रेरित, साम्प्रदायिक तनाव भड़काने वाला और धार्मिक प्रतीकों का राजनीतिक दोहन माना गया। इसी पृष्ठभूमि में कोलकाता के मैदान में उमड़ी लाखों लोगों की भीड़ और संतों-मठों की एकजुट उपस्थिति ने एक वैकल्पिक संदेश दिया कि धर्म को राजनीति की सेवा में नहीं, बल्कि समाज की शांति, सामंजस्य और सांस्कृतिक गौरव के उत्थान के लिए खड़ा होना चाहिए।

कार्यक्रम में गीता के प्रथम, नवम और अठारहवें अध्याय का सामूहिक पाठ हुआ। भगवा वस्त्रों में साधु-संतों का उमड़ा समुद्र, लहराते तिरंगे और 'हरे कृष्ण' भजन की गूँज, इन सबने यह स्पष्ट संकेत दिया कि बंगाल की सांस्कृतिक चेतना राजनीति की सीमाओं से कहीं व्यापक है। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कार्यक्रम में भाग लेते हुए कहा कि बंगाल 'धार्मिक अहंकार को समाप्त करने और बदलाव के लिए तैयार है।' उन्होंने गीता का श्लोक उद्धत करते हुए धर्म की पुनर्स्थापना के महत्व पर बल दिया।

वहीं, भाजपा नेताओं ने आयोजन को सांस्कृतिक पुनर्जागरण के रूप में चित्रित करते हुए तृणमूल सरकार पर आरोप लगाया कि वह राज्य में धार्मिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा देती है। दूसरी ओर तृणमूल नेता कुनाल घोष ने इसे गीता का 'राजनीतिक दुरुपयोग' बताया।

देखा जाये तो हुमायूं कबीर द्वारा 'बाबरी शैली' की मस्जिद का शिलान्यास स्पष्ट रूप से एक राजनीतिक दांव था यानि धार्मिक भावनाओं को उकसाकर लाभ लेने की कोशिश। ऐसे कदम न केवल समाज में विभाजन की रेखाएँ गहरी करते हैं, बल्कि धर्म को चुनावों और नीतिगत संघर्षों का हथियार बना देते हैं। लेकिन ठीक इसी नकारात्मक राजनीति के तुरंत बाद, बिना किसी प्रतिशोधी भाषा, नारों या भीड़-उन्माद के संतों, महात्माओं और लाखों श्रद्धालुओं ने गीता पाठ के माध्यम से जो उत्तर दिया वह कहीं अधिक गहरा और अर्थपूर्ण था। यह प्रतिक्रिया टकराव की नहीं, सनातन की शक्ति और भारतीय संस्कृति की स्वाभाविक समावेशिता की थी।

देखा जाये तो जहाँ हुमांयू कबीर का कदम धार्मिक प्रतीकों को राजनीतिक प्रोपगेंडा बनाने का प्रयास था, वहीं गीता पाठ का विराट आयोजन इस बात की घोषणा थी कि धर्म राजनीति का उपकरण नहीं, बल्कि समाज का नैतिक आधार है। जब लाखों कंठों ने एक साथ गीता के श्लोक पढ़े, तो वह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं था। वह बंगाल के आध्यात्मिक चरित्र की पुनर्स्मृति थी, एक संदेश कि राजनीतिक उकसावों से परे भी समाज अपनी सांस्कृतिक पहचान में एकजुट खड़ा हो सकता है।

संतों-महात्माओं का यह शांत लेकिन प्रभावी उत्तर यह भी दर्शाता है कि सनातन परंपरा की शक्ति किसी विरोध या हिंसा में नहीं, बल्कि धर्म की मर्यादा और सांस्कृतिक निरंतरता में निहित है। वह राजनीतिक बयानबाज़ी का जवाब राजनीतिक भाषा में नहीं, बल्कि आध्यात्मिक मूल्यों की स्वाभाविक उजास से देते हैं। यही भारतीय संस्कृति की परिभाषित करने वाली शक्ति है जहाँ उत्तर तलवार से नहीं, बल्कि श्लोक से दिया जाता है; जहाँ विभाजन का जवाब एकता से दिया जाता है।

राजकीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने किया मुक्त विश्वविद्यालय का शैक्षिक भ्रमण

परंपरागत खेलों की तरफ ध्यान दें विद्यार्थी - प्रोफेसर सत्यकाम

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार के अत्यंत महत्वपूर्ण मिशन समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र छात्राओं को उच्च शैक्षिक तकनीकी प्रबंधन संस्थानों एवं विश्वविद्यालय में भ्रमण की योजना के क्रम में सोमवार को राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, प्रतापगढ़ के छात्र छात्राओं ने प्रधानाचार्य श्रीमती सारिका मालवीय के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का शैक्षिक भ्रमण किया, जिसमें उन्होंने मुक्त विश्वविद्यालय की शैक्षिक कार्य प्रणाली को विस्तार से समझने का प्रयास किया।

इस अवसर पर मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने विद्यार्थियों से कहा कि वह परंपरागत खेलों की तरफ ध्यान दें। खेलना इसलिए जरूरी है कि खेलने से मन खुश हो जाता है और उससे ऊर्जा का संचार होता है। जिससे पढ़ाई में मन लगता है। उन्होंने कहा कि मोबाइल का उपयोग कम से कम करें। साहित्य को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। प्रसिद्ध रचनाकारों की कविता व कहानी को स्मरण करें।उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में हर तरह की सहायता के लिए उपलब्ध है। यह मुक्त विश्वविद्यालय शिक्षार्थियों के द्वार तक शिक्षा उपलब्ध करा रहा है।

विश्वविद्यालय की ओर से इस शैक्षिक भ्रमण का संयोजन प्रोफेसर देवेश रंजन त्रिपाठी द्वारा किया गया। सर्वप्रथम समस्त छात्राओं को पांच समूह में वर्गीकृत किया गया। विश्वविद्यालय की ओर से प्रत्येक समूह का नेतृत्व एवं मार्गदर्शन क्रमशः सहायक आचार्य डॉ सोहनी देवी, डॉ नीता मिश्रा, डॉ दीपशिखा श्रीवास्तव, डॉ कामना यादव एवं डॉ

सुषमा सिंह ने किया तथा राजकीय विद्यालय की ओर से प्रत्येक समूह के साथ उनके शिक्षक श्रीमती सीमा तिवारी, श्रीमती अर्चना कुशवाहा, संगम एवं विनोद जायसवाल आदि उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय आगमन पर समूह का स्वागत कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया तथा भ्रमण संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश सभी को प्रदान किया तथा अपनी शुभकामनाएं दी। शैक्षिक भ्रमण दल ने विश्वविद्यालय मीडिया सेल, प्रवेश अनुभाग, स्वअध्ययन सामग्री प्रकोष्ठ, परीक्षा विभाग की कार्य प्रणाली देखी। परिसर में उन्होंने कुलपति कार्यालय, कुलसचिव कार्यालय, वित्त अधिकारी कार्यालय तथा परीक्षा नियंत्रक कार्यालय की विभिन्न गतिविधियों को समझने का प्रयास किया।

भ्रमण के द्वितीय चरण में सरस्वती परिसर स्थित विद्याशाखा में गये, जहां संबंधित निदेशकों तथा अध्यापकों ने विभिन्न कार्यक्रमों और कोर्सो के संबंध में विस्तार से सूचनाएं उपलब्ध कराई।

निदेशक आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चियन प्रकोष्ठ प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता ने भ्रमण दल के बीच शिक्षकों को मुक्त शिक्षा संचालन के विभिन्न गुणात्मक पहलुओं की जानकारी देते हुए उन्हें भी अपने कैरियर अभिवर्धन में मुक्त विश्वविद्यालय से जुड़ने का संबल प्रदान किया।

भ्रमण के तीसरे चरण में छात्राओं और अध्यापकों ने विश्वविद्यालय के विशाल पुस्तकालय का अवलोकन कर विभिन्न पुस्तकों के संबंध में अपनी जिज्ञासाओं को शांत किया तथा भविष्य में वह भी इस पुस्तकालय का उपयोग कर सके ऐसा निवेदन किया।

अंत में भ्रमण दल के सदस्य सरस्वती परिसर स्थित अटल सभागार में इकट्ठा हुए जहां प्रवेश प्रभारी प्रोफेसर जे पी यादव ने विश्वविद्यालय की सरलतम प्रवेश प्रणाली से सभी को अवगत कराया। तत्पश्चात परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर गिरीश कुमार द्विवेदी ने विश्वविद्यालय के गुणवत्ता परक परीक्षा प्रणाली को समूह के साथ साझा किया। प्रधानाचार्य श्रीमती सारिका मालवीय ने विश्वविद्यालय भ्रमण के लिए कुलपति के प्रति आभार व्यक्त किया।

चारपाई पर पड़ा मिला बुजुर्ग मां और अधेड़ बेटे का शव, पत्नी के मायके जाने के बाद आत्महत्या

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। सिराथू के कड़ा धाम थाना क्षेत्र के बारा हवेली खालसा गांव में रविवार सुबह मां-बेटे का शव घर के भीतर चारपाई पर पड़ा मिला। दोनों की मौत की वजह साफ नहीं है। पुलिस छानबीन में जुटी हुई है। घटना से परिवार में कोहराम मच गया है। हवेली खालसा गांव निवासी 47 वर्षीय मकरध्वज ठेकेदारी करते थे। पत्नी मीता देवी मायके में थीं। बेटा नंदू भी ननिहाल में था। वह 65 वर्षीय वृद्ध मां मालती देवी के साथ घर पर अकेले थे। रविवार सुबह काफी देर तक मां-बेटे बाहर नहीं निकले तो पड़ोसियों को शंका हुई।

इस बीच पत्नी ने भी कई बार मकरध्वज को फोन लगाया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई। शक के आधार पर मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना के बाद डीएसपी सिराथू सत्येंद्र तिवारी व कड़ा धाम थाना प्रभारी त्रिलोकीनाथ पांडेय फोर्स और फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे। सीढ़ी के सहारे दीवार फांदकर पुलिस कर्मी घर के भीतर दाखिल हुए तो वहां मां-बेटे का अलग-अलग चारपाई पर शव पड़ा था। उनके मुंह से झाग निकला हुआ था।

मकान का दरवाजा भीतर से बंद था। यह देख अफरातफरी मच गई। मौत का कारण पता नहीं चल सका है। पुलिस ने दोनों का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों के मुताबिक, पीएम रिपोर्ट आने पर ही मौत का कारण साफ होगा। वैसे प्राथमिक जांच में मामला जहर खाकर खुदकुशी करने का लग रहा है।

एसपी कौशाम्बी, राजेश कुमार ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि प्रथमदृष्टया मां-बेटे ने खुदकुशी की है। आत्महत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है। दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने स्थायी गौ-आश्रय स्थल, कादिराबाद का किया निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज स्थायी गौ-आश्रय स्थल, कादिराबाद का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान मुख्य पशु चिकित्साधिकारी से संरक्षित गोवंशों की संख्या, गौशाला की क्षमता व केयर टेकरों की संख्या आदि जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि गौशाला में साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाय। उन्होंने गौशाला में गोवंशों को ठण्ड से बचाव के लिए समुचित व्यवस्था न पाये जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए सचिव, ग्राम पंचायत से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने सचिव, ग्राम पंचायत को गौशाला में मानक के अनुरूप तिरपाल लगाने, हैलोजन लाइट लगाने एवं टूटे हुए शेड को शीघ्र ठीक कराने के निर्देश दिए। उन्होंने गौशाला में बनाये गये खाद गड्ढे को व्यवस्थित तरीके से क्रियान्वित कराने के भी निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को गौशाला में संरक्षित गोवंशो के सम्वर्धन के लिए किसी संस्था से पार्टनरशिप करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्टॉक पंजिका आदि के अवलोकन के दौरान सूचनाएं अपडेट न पाये जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को कार्यशैली में सुधार लाते हुए कार्यों को जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को गौशाला में भूसा-चारा आदि की पर्याप्त उपलब्धता के साथ ही गोवंशों को ठण्ड से बचाव के लिए सभी आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने सहभागिता योजना के तहत सुपुर्दगी में दिए गए गोवंशो की जानकारी प्राप्त करते हुए मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को नियमित रूप से सत्यापन कराने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने अधूरे कार्यों को शीघ्रपूर्ण कराने के दिए निर्देश

मॉडल तालाब को सुव्यवस्थित तरीके से विकसित करने के दिए निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने नगर पालिका परिषद, मंझनपुर द्वारा ओसा रोड पर निर्मित कराये जा रहें मॉडल तालाब का निरीक्षण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया।

ज्ञात हो कि निरीक्षण के दौरान अधिशासी अधिकारी, मंझनपुर ने जिलाधिकारी को बताया कि फर्म के ब्लैक लिस्ट हो जाने के कारण, कार्य पूर्ण नहीं हो सका है। नगर निकाय के बोर्ड बैठक में अधूरे कार्यों को पूर्ण कराने के लिए प्रस्ताव रखा गया था, जो अनुमोदित हो गया है। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी को टेण्डर का कार्य कराकर अधूरे कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने एवं मॉडल तालाब को सुव्यवस्थित व आकर्षक ढंग से विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्मित कराये जा रहें पक्का तालाब के बगल में स्थित नाली की साफ-सफाई ठीक ढंग से न पाये जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए अधिशासी अधिकारी से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए।

कौशाम्बी पुलिस की बड़ी सफलता

83 गुमशुदा मोबाइल रिकवर, 20 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति लौटाई

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जनपद कौशाम्बी में सभी थानों की पुलिस टीम ने मिलकर मोबाइल रिकवरी अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। भिन्न-भिन्न कंपनियों के कुल 83 गुमशुदा मोबाइल फोन (अनुमानित कीमत लगभग 20 लाख रुपये) बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को सकुशल लौटा दिए गए हैं। मोबाइल वापस पाकर लोगों के चेहरे पर खुशी साफ देखी गई।

ज्ञात हो कि पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी ने इस अवसर पर वीडियो बाइट के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से जिन लोगों ने मोबाइल गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी, उनमें से अधिकांश के मोबाइल उनके वास्तविक मालिकों तक पहुंचा दिए गए हैं। इससे आमजन में पुलिस के प्रति भरोसा और मजबूत हुआ है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अक्टूबर माह में मोबाइल रिकवरी के मामलों में जनपद कौशाम्बी प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा, जबकि नवंबर माह में दूसरा स्थान प्राप्त किया। उन्होंने इसे कौशाम्बी पुलिस की मेहनत और टीमवर्क का परिणाम बताया और भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट कार्य जारी रखने की बात कही। मोबाइल मालिकों ने पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि उनका मोबाइल वापस मिल सकेगा, लेकिन कौशाम्बी पुलिस की तत्परता से उन्हें उनका कीमती सामान मिल गया।

पुलिस ने साइबर ठगी का ऑनलाइन फ्राड पैसा वापस कराया

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ.अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत, प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण बृजेश वर्मा क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज के कुशल निर्देशन में अमित कुमार थानाध्यक्ष पथरा बाजार व साइबर क्राइम टीम द्वारा आनलाइन फ्राड का शिकार हुए दुर्गेश कुमार ग्राम जमुनी थाना पथरा बाजार के खाते से ळझ्ङ से कुल ?20000/- का फ्राड हो गया था, जिस पर कार्यवाही करते हुए पूर्ण धनराशि ?20, 000/- को शिकायत कर्ता के खाते में वापस करायी गयी । थाना पथरा बाजार व साइबर टीम में उप निरीक्षक उदयनाथ मिश्रा साइबर प्रभारी , क0ऑ0 चन्दन यादव, म0का0 प्रतिभा सिंह के इस सराहनीय कार्य के लिए आवेदक द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी।

जिलाधिकारी ने व्यापारियों की समस्या का समाधान और ज्यादा निवेश करने के लिए प्रेरित किया

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के जिला स्तरीय उद्योग बन्धु, व्यापार बन्धु की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में कलेक्टेट्रट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा पिछली बैठक की कार्यवृत्ति की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने उपायुक्त उद्योग को निर्देश दिया कि जिनका एम0ओ0यू0 पर हस्ताक्षर किये गये है उनसे सम्पर्क करके उनकी समस्याओं का समाधान करायें तथा ज्यादा से ज्यादा निवेश करने के लिए प्रेरित करे। जिलाधिकारी ने व्यापारियों की समस्याओं को सुना तथा सम्बन्धित अधिकारियों को उसके निस्तारण हेतु निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने उपायुक्त उद्योग को रोजगार सृजन योजना, हेतु शासन से प्राप्त लक्ष्य को पूर्ण करने तथा विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के लाभार्थियों के आवेदन को अधिक से अधिक कराने का निर्देश दिया गया।

उपायुक्त उद्योग को निर्देश दिया कि व्यापारियों की समस्याओं का सम्बंधित विभाग से समन्वय स्थापित कर निस्तारण करायें। निवेश मित्र पोर्टल पर लम्बित प्रकरणो का संबधित विभाग को निस्तारित कराने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जो भी प्रोजेक्ट लेता है उसकी सब्सिडी समय से उसके बैंक खाते में प्रेषित कराये। दुग्ध विभाग पशुपालन विभाग, एमएसएमई, उद्यान विभाग, पर्यटन विभाग, प्रधानमंत्री स्वरोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, एक जपपद एक उत्पाद आदि के संबध में व्यापारियों की समस्याओ को सुनकर उसके शीघ्र निस्तारण हेतु संबधित

अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्त उपायुक्त उद्योग उदय प्रकाश, जिला पंचायत राज अधिकारी वाचस्पति झा, जिला कृषि अधिकारी मो0 मुजम्मिल, जिला आबकारी अधिकारी वीर अभिमन्यु कुमार, लीड बैंक अधिकारी आरके सिन्हा, अधिशासी अभियन्ता विद्युत, व अन्य सम्बंधित अधिकारी तथा व्यापारियों आदि की उपस्थिती रही।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरा नाम अजीत कुमार यादव, पिता का नाम रामअचल यादव है। मैंने स्नातक इलाहाबाद विश्वविद्यालय से वर्ष 2023 में उत्तीर्ण किया है। मेरा माइग्रेशन सर्टिफिकेट गुम/खो गया है, जिसका Enrollment Number : U2022854 है।

यदि किसी को यह दस्तावेज़ मिलता है तो कृपया सूचित करने का कष्ट करें।

अजीत कुमार यादव
पिता : रामअचल यादव

पुलिस ने एक वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

सिद्धार्थनगर। जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत प्रशान्त कुमार प्रसाद, अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में व मंयक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी शोहतगढ के कुशल पर्यवेक्षण में व अभय सिंह थानाध्यक्ष थाना कठेला समय माता के नेतृत्व में मु0अ0सं0-162/2025 धारा 305/331(4)/317(2) बीएनएस से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त राजकुमार मिश्रा पुत्र योगन्द्र मिश्रा उर्फ पप्पू निवासी ग्राम मेहदानी टोला धौरहरा को उ0नि0 महेन्द्र कुमार, हे0का0 कमलेश यादव, हे0का0 अश्वनी चौहान , का0 नितीश यादव ने गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही पूर्ण कर न्यायालय भेजा।

एमएसईडीसीएल ने बनाया गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड

सी.आर.आई. सोलर ने गर्व के साथ दिया ऐतिहासिक उपलब्धि में योगदान

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की एक ऐतिहासिक सफलता में, महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एमएसईडीसीएल) ने मात्र एक महीने के भीतर 45, 911 सोलर पंपिंग सिस्टम स्थापित करके गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल किया है। यह असाधारण उपलब्धि एमएसईडीसीएल के दूरदर्शी नेतृत्व, मजबूत क्रियान्वयन क्षमताओं और देश के कृषक समुदायों को सशक्त बनाने की उनकी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

इस उपलब्धि पर सी.आर.आई. समूह के चेयरमैन जी. सुंदरराजन ने कहाः 'यह गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड केवल एक असाधारण उपलब्धि नहीं है–यह राष्ट्र के गर्व का क्षण है और भारत की स्वच्छ ऊर्जा यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। हम एमएसईडीसीएल के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं और भारत को बुद्धिमान, भविष्य-उन्मुख ऊर्जा तकनीकों की ओर अग्रसर करने के अपने संकल्प को दोहराते हैं।'

प्रयागराज विकास प्राधिकरण, प्रयागराज

पत्रांक : 199/ ज0स0अ0/वि0प्र0/2025-26 दिनांक : 08.12.2025

(आवश्यक सूचना)

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इम्प्रूवमेन्ट ट्रस्ट द्वारा कटरा हाउसिंग स्कीम के अन्तर्गत भूखण्ड सं0-14 जिसका क्षेत्रफल 288 वर्गगज को रजिस्टर्ड सेलडीड दिनांक 04.05.1938 के माध्यम से श्रीमती राम कुँवर पत्नी श्री लाला राजाराम के पक्ष में हस्तान्तरित किया गया। श्रीमती राम कुँवर पत्नी श्री लाला राजाराम द्वारा अपने जीवनकाल में ही कटरा हाउसिंग स्कीम के अन्तर्गत भूखण्ड सं0-14 जिसका क्षेत्रफल 288 वर्गगज को रजिस्टर्ड वसीयतनामा दिनांक 06.07.1970 द्वारा अपने पुत्र श्री घूरेलाल उर्फ रमेश चंद्र साहू पुत्र स्व0 लाला राजाराम के पक्ष में वसीयत कर दी गयी। श्री घूरेलाल उर्फ रमेश चंद्र साहू पुत्र स्व0 लाला राजाराम द्वारा कटरा हाउसिंग स्कीम के अन्तर्गत भूखण्ड सं0-14 जिसका क्षेत्रफल 288 वर्गगज का दक्षिणी आधा हिस्सा को रजिस्टर्ड वसीयतनामा दिनांक 24.08.1985 द्वारा अपनी पत्नी श्रीमती निर्मला साहू के पक्ष मे वसीयत कर दी गयी। श्री घूरेलाल उर्फ रमेश चंद्र साहू पुत्र स्व0 लाला राजाराम द्वारा कटरा हाउसिंग स्कीम के अन्तर्गत भूखण्ड सं0-14 के जुजभाग क्षेत्रफल 123.30 वर्गमीटर को रजिस्टर्ड विक्रय विलेख दिनांक 24.01.2006 के माध्यम से श्रीमती मुन्नी देवी पत्नी स्व0 हरी राम साहू के पक्ष में विक्रय कर दिया गया। श्रीमती निर्मला साहू पत्नी श्री रमेश चन्द्र साहू द्वारा कटरा हाउसिंग स्कीम के अन्तर्गत भूखण्ड सं0-14 के जुजभाग क्षेत्रफल 123.75 वर्गमीटर को रजिस्टर्ड विक्रय विलेख दिनांक 14.03.2014 के माध्यम से श्रीमती मुन्नी देवी पत्नी स्व0 हरी राम के पक्ष में विक्रय कर दिया गया। श्रीमती मुन्नी देवी पत्नी स्व0 हरी राम साहू द्वारा इम्प्रूवमेन्ट ट्रस्ट डीड की नकल, रजिस्टर्ड सेलडीड, सेलडीड की नकल, खसरा, आधार कार्ड की छायाप्रति एवं मूल एफीडेविट / शपथ-पत्र संलग्न कर कटरा हाउसिंग स्कीम के अन्तर्गत भूखण्ड सं0-14 के जुजभाग क्षेत्रफल 123.30+123.75=247.05 वर्गमीटर पर क्रय विलेख के माध्यम से नामान्तरण किये जाने हेतु ऑनलाइन प्रत्यावेदन प्रस्तुत किया गया है, जो इस कार्यालय में विचाराधीन है। इस सम्बन्ध में यदि किसी को कोई विधिक आपत्ति हो तो विज्ञापन प्रकाशित होने के 15 दिन के अन्दर विहित सम्पत्ति में अपना हित स्पष्ट करते हुए अभिलेखीय साक्ष्यों सहित अपनी लिखित आपत्ति अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में यह मानते हुए कि उक्त नामान्तरण से किसी को कोई आपत्ति नहीं है, नियमानुसार प्राधिकरण के नियम/शर्तों के आधार पर कटरा हाउसिंग स्कीम के अन्तर्गत भूखण्ड सं0-14 के जुजभाग क्षेत्रफल 123.30+123.75=247.05 वर्गमीटर पर श्रीमती मुन्नी देवी पत्नी स्व0 हरी राम साहू का नाम प्राधिकरण अभिलेखों में क्रय विलेख के आधार पर नाम दर्ज कर दिया जायेगा।

प्र0अधि0-इम्प्रूवमेन्ट ट्रस्ट
प्रयागराज विकास प्राधिकरण,
प्रयागराज

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं सौमित्र पुत्र अरुण कुमार, निवासी कोदई, बस्ती उ0प्र0-272131 मेरे स्कूल रिकार्ड के अनुसार मेरे पुत्र का वास्तविक नाम सार्थक चौधरी है जबकि जन्म प्रमाणपत्र में त्रुटिवश सार्थक अंकित हो गया है, जो कि पूरी तरह गलत है। मेरे पुत्र का सही नाम सार्थक चौधरी है, अब इसे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये।

शिवम सेठ सौमित
पुत्र अरुण कुमार
निवासी : कोदई, बस्ती
उ0प्र0-272131

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं शिवम सेठ पुत्र लालजी सेठ निवासी-28बी/66बी/2, अल्लापुर, प्रयागराज ने रिंकू कुमारी पुत्री रमाकान्त निवासिनी- मधुका नैनी से दिनांक 01.11.2025 को आर्य समाज सिविल लाइन्स में हिन्दू रीति रिवाज से शादी की है जो कि पूर्णताः बालिग व अपने जीवन के फैसले लेने में सक्षम है। जो मेरी निजी जानकारी में सच वह सही है इसमें न कुछ झूठ और न कुछ छिपाया गया है।

शिवम सेठ
पुत्र लालजी सेठ
निवासी-28बी/66बी/2
अल्लापुर, प्रयागराज

शिल्प मेले में भक्ति गीतों से श्रोता मंत्रमुग्ध सिद्धी लोकनृत्य ने दर्शकों में भरा रोमांच

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के अंतर्गत आयोजित दस दिवसीय राष्ट्रीय शिल्प मेला कला, संस्कृति और हुनर के संगम के रूप में उभर रहा है। सोमवार को मेले की आठवीं सांस्कृतिक संध्या में कलाकारों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरे मेला परिसर में देश के कोने-कोने से आए शिल्पकार अपनी बेहतरीन हस्तशिल्प कलाकृतियों, कपड़ों और पारंपरिक उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैं, जो शहरवासियों के लिए खरीददारी का एक बड़ा आकर्षण बने हुए हैं।

सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रोफेसर संजय सिंह (आईआईटी, प्रयागराज), व्यापार मंडल के अध्यक्ष नीरज जायसवाल, और महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष स्वाती निरखी ने दीप प्रज्वलित कर किया। केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा द्वारा विशिष्ट अतिथि नरेन्द्र सिंह (से.नि. लेखाधिकारी, एनसीजेडसीसी) एवं लल्लन यादव को अंग वस्त्र, स्मृति चिन्ह व पौधा देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत भजन गायक कमलेश पाठक के भजनों से हुई। उन्होंने 'राम चरन सुखदायी' और स्थानीय बोली में 'संगम पै छाय रहब छानी पियब रोज गंगा कै पानी' जैसे भजन गाकर भक्ति का माहौल बनाया। इसके बाद अनुराधा श्रीवास्तव ने संस्कार गीतों और मणिमाला सिंह ने 'नगर आयोध्या बहुत नीक लागी' जैसे भजनों से पंडाल को भक्ति से सराबोर कर दिया। लोकनृत्यों की कड़ी में, नितिन दवे एवं साथी कलाकारों ने गुजरात का प्रसिद्ध टीपानी और ऊर्जा से भरपूर डांडिया रास नृत्य प्रस्तुत किया। वहीं, रामकृष्ण रजक ने हिमाचल का पारंपरिक कांगड़ा नृत्य और शब्बीर सिद्धी एवं उनके दल ने उत्साहपूर्ण सिद्धी धमाल नृत्य प्रस्तुत कर खूब वाहवाही लूटी। युसूफ खान ने अपने विशेष अंदाज में भपंग वादन की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आकांक्षा पाल ने किया।

मेला के नौवें दिन, मंगलवार को शाम 05 बजे से एक भव्य कवि सम्मेलन एवं मुशायरा आयोजित होगा। इसमें देश के चर्चित कवि गजेंद्र सोलंकी, अजहर इकबाल, सैयद फजले रजा, ताजवर सुल्ताना, नजीब इलाहाबादी, अशोक बेशर्म, शैलेन्द्र मधुर, और श्लेष गौतम अपनी ओजपूर्ण और हास्य कविताओं से श्रोताओं को आनंदित करेंगे।

मतदाताओं को जागरूक करने के लिए आगे आए मंत्री नन्दी

प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा के विभिन्न मतदातान केंद्रों का किया भ्रमण

मतदाताओं से गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत सूची में नाम दर्ज कराने की अपील की

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र में मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान को पूर्ण रूप से सफल बनाने, सभी मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में शामिल कराने और अधिक से अधिक लोगों का फार्म भरवाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी मैदान में उतर चुके हैं। पिछले करीब तीन दिनों से वे लगातार विभिन्न मतदान केंद्रों पर जाकर गहन मतदाता पुनरीक्षण कार्य का अवलोकन कर रहे हैं। वहीं मतदाताओं से मुलाकात कर पुनरीक्षण अभियान में सम्मिलित होते हुए अभियान को सफल बनाने की अपील कर रहे हैं। सोमवार को मंत्री नन्दी ने कैलाशनाथ काटजू इंटर कॉलेज कीडगंज में बूथ संख्या 259 से 266 तक के मतदाताओं की सूची का निरीक्षण किया। बीएलओ एवं अधिकारियों से बातचीत कर प्रगति की जानकारी ली। मंत्री नन्दी ने ईसीसी डिग्री कॉलेज कीडगंज में बूथ संख्या 273 से 280 तक. ठाकुरदीन बालिका विद्यालय बहादुरगंज मतदान केंद्र पर बूथ संख्या 207 से 211 तक एवं गौरी पाठशाला मालवीय नगर मतदान केंद्र पर बूध संख्या 158 से 161 तक की मतदाता सूची का अवलोकन किया।

मंत्री नन्दी ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण (एंईं) अभियान मतदाता सूची को सही और सुव्यवस्थित बनाने तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

इस दौरान एसआईआर प्रभारी ओमप्रकाश मिश्रा, टीपी मिश्रा मंडल अध्यक्ष कबीर जायसवल, पूर्व मंडल अध्यक्ष राघवेंद्र मिश्रा, मनोज गुप्ता, मनमोहन मिश्रा, चीक मंडल अध्यक्ष सुमित वैश्य एवं अन्य पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

नववर्ष की पूर्व संध्या एवं क्रिसमस डे के अवसर पर बिना पूर्व अनुमति आयोजन पाए जाने पर आयोजक एवं स्थल स्वामी के विरूद्ध प्रस्तावित की जाएगी कठोर दण्डात्मक कार्यवाही

कम से कम 15 दिवस पूर्व समस्त अनापत्तियां, औपचारिक्ताऐं, प्रमाण-पत्र विभागीय ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन/समस्त अभिलेख अपलोड करते हुए हार्ड कापी कार्यालय में प्रस्तुत करते हुए अनुमति लेना आवश्यक

प्रयागराज। नववर्ष की पूर्व सन्ध्या एवं क्रिसमस डे के अवसर पर किसी भी सार्वनजिक स्थल, होटल, कल्ब, आडिटोरियम, खेल/स्कूल-कालेज के मैदान आदि में संगीत, गीत नृत्य, डी0जे0 आदि किसी भी प्रकार के मनोरंजक कार्यक्रम का आयोजन हेतु उत्तर प्रदेश चलचित्र (विनियमन) (संशोधन) अधिनियम के अनुसार आयोजन से पूर्व नियमानुसार जिला मजिस्ट्रेट से पूर्व अनुमति प्राप्त किया जाना अनिवार्य है। उल्लेखनीय है कि उक्त संशोधन अधिनियम में प्रावधानित किया गया है कि "कोई मनोरंजन, जिस पर कर उदग्रहणीय हो, चाहे वह कर भुगतान करने के दायित्व से मुक्त हो या न हो, जिला मजिस्ट्रेट की पूर्व अनुमति प्राप्त किए बिना आयोजित नहीं किया जाएगा।" तथा बिना पूर्व अनुमति मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए जाने पर उपरोक्त संशोधन अधिनियम की धारा-8(क) की उपधारा-1 के अन्तर्गत रू0 20, 000.00 अर्थदण्ड अथवा छः माह की कैद या दोनों से दण्डित किया जा सकता है।

सहायक आयुक्त, राज्य कर/प्रभारी पूर्व मनोरंजन कर कार्य ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से समस्त सम्भावित होटल/गेस्ट हाउस/वैंक्टि हाल/रेस्टोरेंट/गार्डेन/खेल व स्कूल-कालेज के मैदान के संचालकों/स्थल स्वामियों को सूचित करते हुए निर्देशित किया जाता है कि नववर्ष की पूर्व सन्ध्या एवं क्रिसमस डे के अवसर पर संभावित कार्यक्रम की यथाविधि रूप कम से कम 15 दिवस पूर्व समस्त अनापत्तियां/औपचारिक्ताऐं/प्रमाण-पत्र सहित विभागीय ऑनलाइन पोर्टल पर http://up-gst.com/entertain menttax/ पर आवेदन/समस्त अभिलेख अपलोड करते हुए उक्त की हार्ड कापी कार्यालय सहायक आयुक्त, राज्य कर (पूर्व मनोरंजन कर कार्य), नई बिल्डिंग कमरा नं0 13, महात्मा गांधी पार्क के पास, ए0डी0एम0 नजूल कार्यालय के सामने, कलेक्ट्रेट, प्रयागराज में प्रस्तुत करते हुए अनुमति अवश्य प्राप्त करलें। अन्यथा अथवा बिना पूर्व अनुमति आयोजन पाए जाने पर आयोजक/स्थल स्वामी के विरूद्ध समस्त उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए उपरोक्तानुसार कठोर दण्डात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी।

डीएम ने सभी निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए विधानसभावार एसआईआर कार्य की प्रगति विस्तार से समीक्षा की

अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना ही सभी ईआरओ को महाअभियान चलाकर कार्य को पूर्ण कराय-जिलाधिकारी

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को संगम सभागार में जनपद में चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के दृष्टिगत सभी निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) के साथ बैठक की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी ईआरओ से विधानसभावार एसआईआर कार्य की प्रगति विस्तार से समीक्षा की तथा कार्य की प्रगति को बढ़ाये जाने हेतु सभी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है। उन्होंने सभी ईआरओ को डिजिटाइजेशन का कार्य 9 दिसम्बर तक पूर्ण कराये जाने का लक्ष्य रखकर उसी के अनुरूप कार्ययोजना बनाकर कार्य को पूर्ण कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना ही सभी ईआरओ महाअभियान चलाकर कार्य को पूर्ण कराये। उन्होंने कार्य में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों, बीएलए और अन्य लोगो का भी सहयोग लेने के लिए कहा है। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती पूजा मिश्रा, ज्वाइंट मजिस्टेड्ट भारती मीना सहित सभी ईआरओं व निर्वाचन से सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने स्वैच्छिक अंशदान देकर धन संग्रह का किया शुभारम्भ

कर्नल अमित भार्गव ने सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी को लगाया प्रतीक झण्डा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। देश की सुरक्षा एवं अखण्डता की रक्षा के लिये अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों की वीरांगनाओं, अपंग सैनिकों व भूतपूर्व सैनिकों के सहायतार्थ दान करने की अपील की

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के अवसर पर कार्यालय द्वारा समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सर्वप्रथम जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा को कर्नल अमित भार्गव (अ0प्रा0) जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी, प्रयागराज ने प्रतीक झण्डा लगाया तथा जिलाधिकारी ने स्वैच्छिक अंशदान देकर धन संग्रह का शुभारम्भ किया एवं समस्त जनपद वासियों/सभी अधिकारियों से देश की सुरक्षा एवं अखण्डता की रक्षा के लिये अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों की वीरांगनाओं, अपंग सैनिकों व भूतपूर्व सैनिकों के सहायतार्थ इस राष्ट्रीय कार्य में दिल खोलकर अधिक से अधिक दान देने की अपील की गयी। इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा निदेशालय सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास उ0प्र0, लखनऊ द्वारा प्रकाशित स्मारिका का विमोचन किया गया। यह जानकारी जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कर्नल अमित भार्गव (अ0प्रा0), प्रयागराज ने दी है।

यात्रियों की सुरक्षा के लिए प्रयागराज-मानिकपुर रूट की जांच शुरू

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के उद्देश्य से सोमवार को प्रयागराज-मानिकपुर रेल रूट की विशेष जांच शुरू हुई। उत्तर पश्चिम रेलवे के प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी एसआर मीना के नेतृत्व में टीम ने ट्रैक, पुल, सिग्नल और रेलवे क्रॉसिंग की बारीकी से जांच की। टीम ने आपात स्थिति की तैयारियों का भी मूल्यांकन किया। शंकरगढ़-मझियारी अंडरपास, बरगढ़ व मानिकपुर स्टेशन के रिकॉर्ड और सुरक्षा व्यवस्था की भी जांच की गई। यह प्रक्रिया दो दिन चलेगी। टीम ने जहां सुधार संबंधी सुझाव दिए। वहीं, अच्छी व्यवस्थाओं की सराहना भी की। रेलवे ने इसे यात्रियों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम बताया।

रेलवे बोर्ड ने इंटर-रेलवे सुरक्षा ऑडिट को अब अनिवार्य और समयबद्ध प्रक्रिया बना दिया है। पहले यह साल में एक बार होता था और अक्सर टल जाता था, लेकिन अब इसे दो चरणों जनवरी से जून और जुलाई से दिसंबर में किया जाएगा। हर जोन दूसरे जोन की सुरक्षा जांच करेगा। रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक (सुरक्षा) बीएम त्रिपाठी ने नई व्यवस्था का शेड्यूल जारी कर दिया है। जांच पूरी होने के सात दिन के भीतर रिपोर्ट अपलोड करनी होगी। यदि खामियां मिलती हैं तो संबंधित जोन को 30 दिन के भीतर सुधार अनिवार्य होगा। नई व्यवस्था से निगरानी और जवाबदेही बढ़ेगी।

डीएम ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के सम्बंध में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना मतदाता गणना प्रपत्र भरकर बीएलओ के पास शीघ्र जमा करायें-जिलाधिकारी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने सोमवार को संगम सभागार में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के सम्बंध में बैठक की। उन्होंने बताया कि अब तक लगभग 91.37 प्रतिशत मतदाताओं के गणना प्रपत्र बी0एल0ओ0 द्वारा संग्रह कर डिजीटाइज कर दिया गया है। उन्होंने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को विधानसभावार एसआईआर की प्रगति के बारे में अवगत कराया और उन्होंने बताया कि घर-घर सर्वे के दौरान जो मतदाता नहीं मिल रहे है, मृतक श्रेणी के है, डुप्लीकेट हैं, पूर्ण रूप से स्थानातरित हो गये है, या गणना प्रपत्रों को वापस देने से इंकार कर रहे है, ऐसे मतदाताओं को वेरीफाइ करते हुए सम्बंधित बीएलओ के द्वारा बनायी गयी एएसडी सूची में सम्मिलित किया जा रहा है। अद्यतन एएसडी सूची को राजनैतिक दलों के द्वारा नियुक्त प्रतिनिधियों एवं बीएलए के साथ बूथवार प्रतिदिन साझा किया जा रहा है। एएसडी सूची में सम्बंधित मतदाता का क्रम संख्या, इपिक नम्बर, मतदाता का नाम, एएसडी लिस्ट में डालने का कारण उल्लिखित है। उन्होंने कहा कि यदि बीएलओ के द्वारा अद्यतन एएसडी सूची में किसी मतदाता का गलत चिन्हॉकन किया गया है, तो उसकी आपत्ति सम्बंधित बीएलओ अथवा ईआरओ को उपलब्ध करा दें, जिससे सम्बंधित मतदाता का नाम रोलबैक कर दिया जाये। उन्होंने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से शेष रह गये लोगो को 11 दिसम्बर अंतिम तिथि का इंतजार न करते हुए जल्द से जल्द फार्म भरकर जमा कराये जाने के लिए कहा है, जिससे अवशेष मतदाताओं को अंतिम दिनों में किसी तकनीकी अथवा अन्य समस्या का सामना न करना पड़े।

जिलाधिकारी ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया है। उन्होंने सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपने-अपने बूथ लेवल एजेण्टों को अपने स्तर से सक्रिय रखते हुए शेष रह गये लोगो का फार्म भरवाकर बीएलओ को उपलब्ध कराये जाने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि एसआईआर का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसको निर्धारित समयावधि में प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया जाना है।

उन्होंने मतदाताओं से कहा कि यदि आपको अपना फार्म भरने में कोई कठिनाई हो रही हो, तो आप अपने बीएलओ व कॉल सेंटर के नम्बर 1950 एवं 0532-2644024 पर सम्पर्क कर सकते है। इसके अतिरिक्त ऑनलाइन भी https://voters.eci.gov.in/ पर फार्म भरने की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि जो मतदाता गणना प्रपत्र भर कर देंगे, उन्हीं मतदाताओं का नाम ड्राफ्ट सूची में प्रकाशित होगा। उन्होंने कहा कि अगर किसी कारणवश प्रकाशित सूची में नाम छूट जाता है तो वह मतदाता फार्म-6 भर सकता है, जिससे कि उन्हें लिस्ट में सम्मिलित किया जा सके। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्रीमती पूजा मिश्रा सहित मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय/राज्यीय दलों के प्रतिनिधिगण एवं निर्वाचन से सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पहले से लागू नियमावली में कोई बदलाव नहीं

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। परिषदीय शिक्षकों के स्थानांतरण को लेकर लंबे समय से चली आ रही असमंजस की स्थिति अब पूरी तरह साफ हो गई है। आनंद कुमार सिंह उप सचिव उत्तर प्रदेश शासन ने स्पष्ट कर दिया है कि शिक्षकों का स्थानांतरण केवल पहले से निर्धारित नियमों के तहत ही किया जाएगा। इसके लिए किसी नए नियम या व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय से आए एक प्रकरण के बाद बेसिक शिक्षा विभाग ने पूरे मामले की समीक्षा की। जांच में यह तथ्य सामने आया कि स्थानांतरण कोई शिक्षक का अधिकार नहीं, बल्कि प्रशासनिक आवश्यकता के आधार पर लिया जाने वाला निर्णय होता है।

पत्र में यह भी साफ किया गया है कि शिक्षक का स्थानांतरण उसी जिले या क्षेत्र में होगा, जैसा कि पहले से लागू स्थानांतरण नियमावली में तय है। इससे यह स्पष्ट हो गया है कि मनमाने तरीके से या नियमों के बाहर स्थानांतरण नहीं किया जाएगा। इस फैसले के बाद परिषदीय शिक्षकों में फैली भ्रम की स्थिति अब समाप्त हो गई है और सभी को नियमों के अनुसार ही अपने स्थानांतरण को लेकर भरोसा रखना होगा।

सड़क हादसे में घायल युवक की मौत

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। सड़क हादसे में घायल सोनू निवासी नीबी लोहगरा बारा की रविवार रात इलाज के दौरान मौत हो गई। 29 वर्षीय सोनू छह दिसंबर की शाम शंकरगढ़ थानाक्षेत्र के पगुवार गांव में बाइकों की टक्कर में गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हादसे में उसके पिता बतुली और मां आशा देवी को भी चोट आई है। सोनू माता-पिता को लेकर मध्य प्रदेश के बड़ेगांव से घर लौट रहा था। विवाहित सोनू के एक बेटा है और पत्नी नम्रता गर्भवती है।

काशी तमिल संगमम् के तृतीय दल के सदस्यों का महापौर एवं एमएलसी ने भव्य रूप से स्वागत एवं सम्मान किया

हमारे भारत की संस्कृति "वसुधैव कुटुम्बकम" के मंत्र को आत्मसात करते हुए पूरे विश्व के कल्याण की कामना करती है-उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी

"काशी तमिल संगमम्" यात्रा से उत्तर और दक्षिण की संस्कृति, आध्यात्मिक विरासत को जानने और समझने का मिल रहा अवसर - सुरेन्द्र चौधरी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। "काशी तमिल संगमम्" कार्यक्रम के तृतीय दल के सदस्यों का सोमवार को जनपद प्रयागराज आगमन पर महापौर उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी, विधान परिषद सदस्य सुरेन्द्र चौधरी एवं नगर मजिस्टेड्ट विनोद कुमार सिंह के द्वारा तिलक लगाकर एवं माला पहनाकर टीम के सदस्यों का भव्य रूप से स्वागत किया गया। तृतीय दल में लगभग 200 सदस्य प्रयागराज आयें।

इस अवसर पर संगम क्षेत्र के वीआईपी घाट के पास आयोजित कार्यक्रम में महापौर उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी, विधान परिषद सदस्य सुरेन्द्र चौधरी के द्वारा दल के टीम लीडर को स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया तथा गंगा जल भेंट किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय अभिलेखागार एवं राजकीय पांडुलिपि पुस्तकालय द्वारा अभिलेख एवं पांडुलिपियों की प्रदर्शनी भी लगायी गयी, जिसमें कागज तथा ताड़पत्र के पौराणिक ग्रंथो के प्रदर्श विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। इस अवसर पर एनसीजेडसीसी द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां भी की गयी। इस अवसर पर महापौर उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी ने काशी तमिल संगमम् यात्रा में प्रयागराज पहुंचे तमिलनाडु के लोगो का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत की सांस्कृतिक एकता को गतिशीलता, मजबूती प्रदान करने, भारत की भिन्न-भिन्न संस्कृतियों को एक माला में पिरोने के लिए काशी तमिल संगमम् यात्रा का आयोजन किया है। आप लोगो को इस यात्रा में काशी, प्रयागराज की संस्कृति के साथ भारत की इस वैभवशाली परम्परा को देखने का अवसर प्राप्त हुआ है। तमिल और हिंदी के साहित्यकारों ने भारत की संस्कृति को सेतु के रूप में बांधने का काम किया है। तमिल साहित्यकार भारतीय जी, नगराजन जी, पूज्यसंत तिरूवल्लुवर जी, जिन्होंने जीवन के मर्म को लिखने का काम किया है, ठीक उसी प्रकार से दोहो में हमारे उत्तर भारत के संत तुलसीदास जी, सूरदास जी, कालीदास के ग्रंथों को अवलोकन करने के बाद सबका सार एक जैसा ही है, सबने अपनी-अपनी भाषाओं में भारत के जीवन का सार लिखने का कार्य किया है। यही भारत की शक्ति है। उन्होंने कहा कि हमारी पुरातम संस्कृति में कभी भाषा का विवाद एवं जातीयता का उन्माद नहीं रहा। हमारी संस्कृति में "वसुधैव कुटुम्बकम" के मंत्र को आत्मसात करते हुए पूरे विश्व के कल्याण की कामना करता है।

इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य सुरेन्द्र चौधरी ने कहा कि जब से नरेन्द्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री बने है, तब से भारत को जोड़ने का काम किया है। आज माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सनातन धर्म में समरसता देखने को मिल रही है। उन्होंने कहा कि बीते दिनों में मोदी एवं योगी के नेतृत्व में एक भव्य एवं दिव्य कुम्भ का आयोजन किया गया था, जिसमें रिकार्ड 66 करोड़ से अधिक लोगो ने डुबकी लगायी थी, जो एक मिसाल बन गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज पूरे विश्व में भारत का डंका बज रहा है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की कविता को सुनाते हुए कहा कि भारत कोई भूमि का टुकड़ा नहीं है, यह एक जीता जागता राष्ट्र पुरूष है। यह वंदन की धरती है, अभिनंदन की धरती है, यह तर्पण की भूमि है, अर्पण की भूमि है, इसकी एक-एक नदी हमारे लिए गंगा है, कण-कण हमारे लिए शंकर है। जीयेंगे तो भारत के लिए, मरेंगे तो भारत के लिए। उन्होंने काशी तमिल संगमम् यात्रा में सम्मिलित सभी सदस्यों का तीर्थराज प्रयाग की भूमि पर स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि "काशी तमिल संगमम्" यात्रा से उत्तर और दक्षिण की संस्कृति, परम्पराओं, वातावरण को समझने तथा एक दूसरे की भाषा को सीखने व संवाद का सुनहरा अवसर प्राप्त हो रहा है।

काशी तमिल संगमम् टीम के सदस्यों को सुसज्जित नावों के द्वारा वीआईपी घाट से संगम ले जाकर मां गंगा, यमुना एवं अदृश्य सरस्वती के संगम का अवलोकन/स्नान कराया गया तथा तीर्थराज प्रयागराज के महत्व के बारे में बताया गया। संगम क्षेत्र के अद्भुत एवं मनोहारी दृश्य देखकर सदस्यगण मंत्रमुग्ध हो गये। सदस्यगणों के द्वारा संगम क्षेत्र में वीआईपी घाट पर बनाये गये सैण्ड आर्ट का अवलोकन किया गया। संगम क्षेत्र कार्यक्रम के पश्चात काशी तमिल संगमम् टीम के सदस्यगणों ने लेटे हनुमान का दर्शन एवं पूजन किए। इसके उपरांत टीम के सदस्य शंकर विमान मण्डपम मंदिर, स्वामी नारायण मंदिर भी गये। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 प्रभाकर त्रिपाठी के द्वारा किया गया। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देशन में नगर मजिस्टेड्ट विनोद कुमार सिंह एवं अन्य सम्बंधित अधिकारियों के द्वारा काशी तमिल संगमम् यात्रा के दूसरे दल के सदस्यों की यात्रा को सकुशल ढंग से सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर प्रा0सहायक राकेश कुमार वर्मा, हरिशचंद्र दुबे सहित बड़ी संख्या लोग उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

उड़ान का संकट! जरा-सी चूक किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है

पायलटों के साप्ताहिक आराम की अवधि बढ़ाने से विमानन कंपनी इंडिगो में उपजा उड़ान परिचालन का संकट इस फैसले को वापस लेने के बाद भी थमता नजर नहीं आया। शनिवार को कंपनी की साढ़े आठ सौ से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं, जबकि शुक्रवार को देश भर के विभिन्न हवाईअड्डों से एक हजार से अधिक उड़ानें निरस्त कर दी गई थीं। इससे न केवल यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी हो रही है, बल्कि उन्हें दूसरी उड़ानों की यात्रा टिकट हासिल करने के लिए कई गुना अधिक दाम चुकता करने पड़ रहे हैं।

हालांकि, इस समस्या के निराकरण के लिए सरकार ने अब फिलहाल दूरी के आधार पर हवाई किराए की सीमा 7, 500 रुपए से 18, 000 रुपए तक सीमित कर दी है। मगर उड़ानों के परिचालन का संकट दूर करने के लिए पायलटों के साप्ताहिक आराम की अवधि बढ़ाने का जो फैसला वापस लिया गया है, क्या इस मसले की संवेदनशीलता को देखते हुए उस पर फिर से विचार किया जाएगा? यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि आखिर इंडिगो में ही यह संकट क्यों और कैसे पैदा हुआ।

दरअसल, पायलटों का संगठन लंबे समय से साप्ताहिक आराम की अवधि बढ़ाने की मांग कर रहा था। उनका कहना था कि लगातार काम के दबाव की वजह से उन्हें थकान समेत कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर नागर विमानन महानिदेशालय ने हाल में नई नियमावली जारी कर पायलटों के साप्ताहिक आराम की जरूरत के समय में बारह घंटे की बढ़ोतरी कर उसे अड़तालीस घंटे कर दिया था। इसके बाद इंडिगो की उड़ानों के रद्द होने का सिलसिला शुरू हो गया।

कंपनी का तर्क था कि नए नियमों के लागू होने से ज्यादा पायलट अवकाश पर हैं, जिससे उड़ानों का परिचालन बाधित हुआ है। मगर, इस बात पर गौर करना जरूरी है कि नए नियम सभी विमानन कंपनियों पर लागू थे! दूसरा, इस बात पर भी गहराई से विचार करने की जरूरत है कि उड़ान के दौरान पायलटों की संवेदनशीलता और सक्रियता बेहद महत्त्वपूर्ण होती है, जरा-सी चूक किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। ऐसे में उनके पूरी तरह स्वस्थ रहने के लिए उन्हें जरूरी आराम की सुविधा का पहलू भी अहम है।

एक और समस्या है जो उड़ानों के संकट के बीच अक्सर हवाई यात्रियों को परेशानी और चिंता में डाल देती है, वह है किराए में अचानक बढ़ोतरी। यह इसलिए है, क्योंकि विमानन कंपनियों पर किराए की सीमा को लेकर कोई स्पष्ट नियम लागू नहीं है। इसी कारण शनिवार को स्पाइसजेट की कोलकाता-मुंबई की एक तरफ की यात्रा के लिए 'इकोनामी' श्रेणी के हवाई टिकट की कीमत नब्बे हजार रुपए तक पहुंच गई, जबकि एअर इंडिया की मुंबई-भुवनेश्वर उड़ान के लिए यात्रियों को चौरासी हजार रुपए तक में टिकट खरीदना पड़ा।

इन खबरों के बाद सरकार ने फिलहाल दूरी के आधार पर हवाई किराए की सीमा तय कर दी है। मगर यह व्यवस्था तब तक रहेगी, जब तक उड़ानों का संकट दूर नहीं हो जाता है। सवाल है कि क्या इसके बाद विमानन कंपनियों की ओर से मनमाना किराया वसूलने का सिलसिला जारी रहेगा। ऐसे में जरूरी है कि सरकार की ओर से स्थायी तौर पर हवाई किराए की सीमा तय करने की पहल की जाए, ताकि कंपनियों की मनमानी पर अंकुश लग सके और यात्रियों को बेवजह परेशानी एवं आर्थिक नुकसान न झेलना पड़े।

समृद्ध देशों में दरकिनार होते प्रवासी, अमेरिका के 15 राज्य प्रवासियों पर लगभग 40 फीसद तक निर्भर

भारत ही नहीं, बल्कि तीसरी दुनिया के देशों की श्रम शक्ति और युवा शक्ति समृद्ध देशों में किसी न किसी तरीके से प्रवेश कर रातों-रात अपनी आर्थिक स्थिति बदल लेना चाहती है। सवाल है कि पहली, दूसरी और तीसरी दुनिया का वर्गीकरण कैसे होता है? द्वितीय महायुद्ध के बाद से देखें, तो पहली दुनिया समृद्ध पश्चिमी या यूरोपीय देशों और अमेरिका की है।

दूसरी दुनिया रूस समर्थक देशों की और तीसरी दुनिया पश्चिमी देशों से आजाद हुए या अपनी गरीबी से जूझते देशों की है। आर्थिक विकास शास्त्र ने इसका वर्गीकरण विकासवादी व्यवस्था के रूप में किया है। यानी पहली दुनिया विकसित देशों की, दूसरी दुनिया विकासशील देशों की जिनमें भारत भी शामिल है और तीसरी दुनिया अविकसित देशों की है जिनमें गरीब देश शामिल हैं।

तीसरी दुनिया की युवा शक्ति पहली दुनिया या पश्चिमी देशों की ओर भागती है, क्योंकि जिस देश में वे रहते हैं, वहां उन्हें अपने सपने साकार होने की कोई संभावना नजर नहीं आती। धनी होने का सपना देखते हजारों नौजवान हर वर्ष इन देशों में जाकर काम करना चाहते हैं। अगर वैध तरीके से न जा सके, तो अवैध तरीके से या अपनी जान हथेली पर रख कर भी ये नौजवान समृद्ध देशों में प्रवेश करना चाहते हैं। जो रास्ते में मर-खप गए, उनका कोई अता-पता नहीं चलता। जो किसी तरह विदेश चले भी गए, तो वे वहां भी वे दोयम दर्जे की जिंदगी जीते हैं और किसी न किसी प्रकार अपने पांच साल पूरे कर ग्रीन कार्ड पाने की इच्छा रखते हैं।

जब से डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका की सत्ता संभाली है, तब से न केवल अमेरिका, बल्कि उसके साथी अमीर देश कनाडा, ब्रिटेन और आस्ट्रेलिया आदि भी आप्रवासी नागरिकों को (खासतौर से उन उन्नीस देशों के नागरिकों, जिनके बारे में ट्रंप ने सूची जारी की है और यह कहा है कि उनके देश में गैर-कानूनी घटनाओं से लेकर हिंसक वारदात यही लोग करते हैं) अपनी सीमा से निष्कासित करने की कोशिश में लगे हैं। इन सभी देशों में भारतीयों की भी पर्याप्त संख्या है। उनको हथकड़ियों-बेड़ियों में वापस भेजा जा रहा है। इन लोगों का स्वागत करने के लिए अमेरिका तैयार नहीं, बल्कि ट्रंप देश से इनको बाहर करना चाहते हैं। ये यही भारतीय हैं जिनके कौशल और श्रम से अमेरिका का आधार बना है।

अभी वाइट हाउस में अफगानिस्तान के एक शरणार्थी द्वारा की गई गोलीबारी से एक नेशनल गार्ड की मौत हो गई। इस बात से खीझ कर ट्रंप ने कहा कि अमेरिका में गरीब देशों के प्रवासियों का प्रवेश बंद है। वर्तमान आप्रवासियों में से अगर किसी से सुरक्षा को खतरा लगता है तो उसे भी तुरंत उसके देश भेज दिया जाएगा।

अमेरिका की देखादेखी कनाडा ने छात्र वीजा पर सख्ती कर दी है। अब वीजा रद्द करने की दर चूंकि 75 फीसद तक पहुंच गई है, इसलिए नया प्रवेश 40 फीसद तक गिर गया। आज यहां 70 फीसद वीजा आवेदन रद्द हो रहे हैं। वर्ष 2023 में यही दर 32 फीसद थी। ब्रिटेन गए छात्र अपने साथ पहले परिवार ला सकते थे, लेकिन 2025 से वीजा नवीनीकरण में सख्ती बरती जाने लगी। परिवार लाने पर रोक लग गई। इस तरह से कई भारतीय ब्रिटेन छोड़ने के लिए मजबूर हो गए।

आस्ट्रेलिया ने भी इस वर्ष से नई प्रवासन नीति लागू कर दी है जिसमें छात्र वीजा को कठिन बना दिया गया है। वर्ष 2024 में अगर यहां 96 हजार 490 प्रवासी भारतीय छात्र थे, तो इसी वर्ष पहले छह महीनों में यह संख्या कम होकर 87 हजार 600 हो गई। अब जब अपने हित साधने की यह नीति इन समृद्ध देशों ने लागू कर दी है, तो भारतीयों या अन्य 19 गरीब देशों के छात्रों के लिए समृद्ध देशों में प्रवेश बहुत कठिन हो गया है। अमेरिका ने तो और भी कई नियम बना दिए। ग्रीन कार्ड देने की अवधि बढ़ा दी और इसे आसानी से न लागू करने की नीति अपनाई। इस समय इसकी प्रतीक्षा सूची में लगभग दस लाख भारतीय हैं। मगर अमेरिका या अन्य समृद्ध देशों को यह नहीं भूलना चाहिए कि आज उनकी प्रगति और समृद्धि में इन्हीं प्रवासी नागरिकों का खून-पसीना लगा है।

एक राजनीतिक संदेश यूरोप, कनाडा और आस्ट्रेलिया सरकार को भी चला गया कि वे प्रवासियों को आने से रोकें। अगर यह श्रम शक्ति उत्पादन प्रक्रिया से बाहर हो जाती है, तो इन देशों की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ सकता है। अमेरिका आज 30 ट्रिलियन डालर की सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति है, तो उसका 20 फीसद हिस्सा इन आप्रवासियों की मेहनत पर ही टिका है।

तीन प्रकार के प्रवासी अमेरिका या समृद्ध देशों में पाए जाते हैं। भारतीय, चीनी और लैटिन अमेरिकी। गौरतलब है कि इन प्रवासी नागरिकों की श्रम शक्ति सस्ती है। आर्थिक विश्लेषक बताते हैं कि 15 अमेरिकी राज्यों की अर्थव्यवस्था अधिकतर इन्हीं श्रमिकों की दिन-रात की मेहनत पर निर्भर करती है। हालांकि इन राज्यों में अमीरी के साथ-साथ बंदूक संस्कृति भी पनप गई है। फिरौती मांगने का धंधा इन राज्यों में है ही। जहां 15 राज्य इन आप्रवासियों पर लगभग 40 फीसद तक निर्भर हैं। ये आप्रवासी बहुत ईमानदारी से और मेहनत करके जिंदगी जीते हैं।

एक आंकड़े के मुताबिक अमेरिका में कुल अपराध दर के मुताबिक ये प्रवासी, स्थानीय नागरिकों की अपेक्षा अपराध में कम ही लिप्त पाए गए। अब ट्रंप ने इन्हीं प्रवासियों को रोकने के आदेश पर मंजूरी लेने की इच्छा जाहिर कर दी है।

हालांकि भारत की युवा शक्ति और अन्य उभरते देशों की नौजवान पीढ़ी विदेश को अपना एकमात्र मोक्ष द्वार नहीं मानती। तीसरी दुनिया के जिन देशों में जो 'जेन-जी' वाली पीढ़ी उभर कर आ गई है, वह अपने देश में ही यथोचित रोजगार और गरिमा से जीना चाहती है। वह इन समृद्ध देशों के रहम पर दोयम दर्जे की जिंदगी अपनाने के लिए इनका सहारा नहीं लेना चाहती।

दूसरी ओर यह भी एक सच है कि कुछ देशों में आतंकवादियों के अड्डे हैं और उनके लिए सरकारों का अप्रत्यक्ष सहयोग है, नहीं तो वहां छिपे आतंकी इतनी आसानी से भारत विरोधी गतिविधियां कैसे चलाते? इन देशों की अपनी समृद्धि भी हाड़तोड़ मेहनत करने वाले आप्रवासी नागरिकों की वजह से है, मगर आज कई बड़े देशों ने अपने यहां रह रहे प्रवासी नागरिकों का जीना मुश्किल कर दिया है। उन्हें हर दिन अपनी धरती से निष्कासित करने की धमकी देते हैं। जबकि उनके परिश्रम के बूते ही अमेरिका वर्षो से आर्थिक शक्ति के रूप में दुनिया के शीर्ष पर है।

अब भी अमेरिका यही कहता है कि वह तकनीकी पेशेवरों का अपने देश में स्वागत करेगा, लेकिन यह नहीं चाहता कि मेहनत-मजदूरी करने वाले लोग अमेरिका में आ जाएं और अपनी मेहनत और कम वेतन के बल पर अमेरिकी जनता की नौकरियों के लिए जारी होने वाला पैसा अपने भुगतान के रूप में हथिया लें। इस पूरे परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए भारत अब केवल आयात आधारित अर्थव्यवस्था न रहे, अपने पैरों पर और मजबूती से खड़ा हो जाए। स्वावलंबन की इस राह पर युवा पीढ़ी को नौकरियां दें।

ब्रिटिश फरमान, 'गॉड! सेव द क्वीन' का गुणगान, अंग्रेजों की नींद उड़ाने वाला वंदे मातरम क्यों ना बन सका राष्ट्रगान?

राजनीति में कुछ चीजें कभी पुरानी नहीं पड़ती है। आप उन्हें कभी भी कुरेद दो और सियासत शुरू हो जाती है। ऐसा ही हमारा राष्ट्र गीत वंदे मातरम है।आजादी से पहले भारतीयों को एक करने वाला ये गीत कई सालों से उन्हीं भारतीयों को बांटने के लिए काम में लिया जा रहा है। 'वंदे मातरम' को लेकर देश की राजनीति में एक बार फिर उबाल आ गया है। संसद के विशेष सत्र में राष्ट्रीय गीत के 150 साल पूरे होने पर लोकसभा में चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने अपना संबोधन भी दिया। वहीं 9 दिसंबर को राज्यसभा में भी ऐसी ही एक लंबी चर्चा की योजना है, जिसमें गृह मंत्री अमित शाह बोलेंगे।

साल 1870 के दशक में ब्रिटिश हकूमत ने एक तुगलकी फरमान जारी किया। उन्होंने सरकारी समारोहों में 'गॉड! सेव द क्वीन' गीत गाया जाना अनिवार्य कर दिया था। उस वक्त ब्रिटिश प्रशासनिक सेवा में कई भारतीय अधिकारी भी थे। फरमान बंगाल की जमीन से ही आया था, इसलिए वहां इसे लेकर काफी सख्ती थी। यह बात सबसे अधिक नागवार गुजरी एक डिप्टी कलक्टर को, जो भारतीय था। अंग्रेजों के इसी आदेश और अनिवार्यता क्षुब्ध वह कलेक्टर उस रोज दफ्तर से निकल आया। सियालदह से ट्रेन ली और नैहाटी पहुंचने तक का सफर इन्ही विचारों से भरा रहा। रेलयात्रा के दौरान उमड़-घुमड़कर आते तमाम विचार शब्द बन गए और कागज-कलम का साथ पाते ही गीत के रूप में उभर आए।

19वीं सदी में बंगाल के सबसे जानी मानी हस्तियों में से एक बंकिम चंद्र चटर्जी ने एक बहुचर्चित उपन्यास आनंदमठ लिखा। वैसे तो यह उपन्यास 1882 में किताब का शक्ल ले सका। लेकिन बंकिम चंद्र चटर्जी ने इसे 1881 से ही अपनी मासिक पत्रिका वंग दर्शन में एक धारावाहिक के तौर पर छापना शुरू कर दिया था। इस उपन्यास का मूल कथानक सन्यासियों के एक समूह पर फोकस था। जो अपनी मातृभूमि के लिए अपनी जिंदगी समर्पित कर देते हैं और ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ विद्रोह का बिगुल फूंकते हैं। आनंद मठ में यह सन्यासी अपनी मातृभूमि को एकदेवी की तरह पूजते हैं और उसकी पूजा के लिए एक गीत गाते हैं। वंदे मातरम जिसमें मातृभूमि को मां दुर्गा की तरह चित्रित किया जाता है। बंकिम चंद्र चटर्जी का लिखा यह उपन्यास खूब पॉपुलर होता है। 1896 में कोलकाता में हुए कांग्रेस अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर के स्वर में पहली बार वंदे मातरम की सार्वजनिक प्रस्तुति होती है और फिर जल्द ही यह गीत आजादी के आंदोलन में जोश भरने का काम करने लगता है। साल 1905 में बंगाल विभाजन का विरोध कर रहा हर एक आंदोलनकारी यही गीत गा रहा होता है।

बांग्ला और संस्कृत भाषा में लिखा यह गीत धीरे-धीरे पूरे देश तक फैल जाता है और अंग्रेजों के मुखालिफत का सिंबल बनता है। ऐसे में साल 1907 में अंग्रेज वंदे मातरम पर बैन लगा देते हैं। लेकिन वंदे मातरम का असल विरोध करता है मुस्लिम लीग। अंग्रेज कांग्रेस को तोड़ने के लिए बांटो और राज करो की नीति अपनाते हैं। हिंदू मुस्लिम में फूट डालकर आपस में लड़वाने की कोशिश करते हैं। जिसका उन्हें फायदा भी मिलता है और साल 1909 में अमृतसर में हुए कांग्रेस अधिवेशन में मुस्लिम लीग वंदे मातरम का ही विरोध करने लगती है। जर्मनी में तिरंगा फहराया जिस पर वंदे मातरम लिखा था। 17 अगस्त 1909 को जब मदन लाल ढींगरा को विलियम हर्ट कर्जन के मर्डर के इल्जाम में फांसी दी गई तो उनके आखिरी शब्द थे वंदे मातरम। आगे चलकर वंदे मातरम को लेकर मतभेद और विरोध भी सामने आने लगे। धीरे-धीरे राजनीति

इस पर शुरू हुई। 1920 में बंगाली मैगज़ीन इस्लाम दर्शन में वंदे मातरम को मूर्ति पूजा का रूप बताया गया। 1928 में शरीयत इस्लाम मैगजीन में कहा गया कि वंदे मातरम मुसलमानों के लिए हराम है।

1930 का दशक तब खत्म होने को था। कांग्रेस और मुस्लिम लीग के रिश्तों में लगातार दूरियां बढ़ रही थी। इसी दौर में वंदे मातरम गीत विवादों के केंद्र में आ गया। मुस्लिम लीग के एक बड़े तबके में वंदे मातरम के खिलाफ नाराजगी इतनी गहरी हो चुकी थी कि सीधे मोहम्मद अली जिन्ना इसमें कूद पड़े। जिन्ना की निजी डायरी में 1938 के कुछ नोट्स मिलते हैं। ये नोट्स उन्होंने जवाहरलाल नेहरू से होने वाली बातचीत के लिए तैयार किए थे। इन नोट्स के सबसे ऊपर तीन लाइनें लिखी थी। मुस्लिम मास कांटेक्ट मस्ट सीज, वंदे मातरम मस्ट गो, नेशनल फ्लैग मस्ट गो। संदेश साफ था कि मुसलमान वंदे मातरम को राष्ट्रीय गीत के रूप में नहीं मानेंगे। चाहे उसका बदला हुआ वर्जन ही क्यों ना हो।

वंदे मातरम को लेकर गांधी जी का स्टैंड समय के साथ बदलता रहा है। पहले उनकी राय अलग थी। 1905 से 1915 के बीच गांधी वंदे मातरम के बड़े प्रशंसक थे। उन्होंने इसे देशभक्ति से बड़ा गाना बताया। 1905 में उन्होंने अपने अखबार इंडियन ओपिनियन में लिखा कि हमारा राष्ट्रीय गान बन गया है। 1915 में उन्होंने कहा कि बहुत ही खूबसूरती से कवि ने भारत माता को दर्शाया है। 1940 का दशक आते-आते गांधी का नजरिया वंदे मातरम को लेकर के डिफेंसिव हो गया। महात्मा गांधी ने अपने अखबार हरिजन में लिखा कि वह वंदे मातरम को राष्ट्रभावना से जोड़कर देखते हैं। उन्होंने माना कि वंदे मातरम उन्हें गहराई तक छूता है। पर उन्हें कभी ऐसा नहीं लगा कि यह सिर्फ हिंदुओं के लिए है।

भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को भी राष्ट्रगान बनाने की बात कही जा रही थी। लेकिन उसे राष्ट्रीय गीत बनाया गया। जिसके पीछे ये तर्क दिया गया कि इसकी चार लाइन ही देश को समर्पित हैं। बाद की लाइने बंगाली भाषा में हैं और मां दुर्गा की स्तुति की गई है। किसी भी ऐसे गीत को राष्ट्रगान बनाना उचित नहीं समझा गया जिसमें देश का न होकर किसी देवी-देवता का जिक्र हो। इसलिए वंदे मातरम को राष्ट्रगान ना बनाकर राष्ट्रगीत बनाया गया।

पुतिन की भारत यात्रा : नयी विश्व राजनीति की आहट

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा एक साधारण कूटनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि इतिहास के सात दशकों में बुनी एवं गढ़ी गई मित्रता का नवीन उद्‌घोष है। कहा जाता है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में स्थायी मित्र और शत्रु नहीं, स्थायी हित होते हैं, किंतु भारत-रूस संबंध इस कथन की परिधि से आगे जाकर स्थायी भरोसे, नैतिक दायित्व और पारस्परिक सम्मान के प्रतीक बने हुए हैं। यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका, यूरोप एवं नाटो गठबंधन रूस पर कठोर आर्थिक और रणनीतिक प्रतिबंध लगाए हुए हैं। इसके बावजूद भारत ने रूस को न केवल कूटनीतिक स्तर पर सम्मान-साथ दिया बल्कि ऊर्जा व रक्षा क्षेत्र में उसे सबसे भरोसेमंद साझेदार माना। इसलिए यह वार्ता केवल दो नेताओं रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एवं भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुलाकात नहीं, बल्कि एक नए युग के सूत्रपात का संकेत है, नयी विश्व राजनीतिक समीकरण की आहट है।

भारत और रूस की मित्रता का इतिहास लगभग 70 वर्षों का है। शीतयुद्ध काल में रूस (तत्कालीन सोवियत संघ) ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की संप्रभुता और सुरक्षा हितों की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बांग्लादेश मुक्ति संग्राम से लेकर पोखरण परमाणु परीक्षणों तक, रूस ने भारत का साथ दिया। आज जब यूक्रेन युद्ध ने वैश्विक राजनीति को ध्रुवीकृत कर दिया है, अमेरिका ने भारत पर रूस से दूरी बनाने का दबाव बनाया, किंतु भारत ने सामरिक स्वायत्तता की नीति को बनाए रखते हुए रूस का साथ निभाया। पश्चिम के प्रतिबंधों के बीच भारत ने भारी मात्रा में रूसी पेट्रोलियम और गैस खरीदकर अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की तथा रूस को आर्थिक सहारा दिया। यह निर्णय महज एक वाणिज्यिक लाभ का मामला नहीं था, बल्कि भारतीय विदेश नीति की स्वयंभूता का प्रदर्शन था। दूसरी ओर, रूस ने भी भारत को कभी निराश नहीं किया। चाहे एस-400 वायु रक्षा प्रणाली हो, टी-90 टैंक हों, ब्रह्मोस मिसाइल परियोजना हो या पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान सुयू-57 से जुड़ा सहयोग, भारत की सैन्य क्षमता में रूस का योगदान निर्णायक रहा है। वहीं पाकिस्तान की शत्रुता के खिलाफ भारत के हितों को रूस का अप्रत्यक्ष समर्थन मिलता रहा। हाल ही में दक्षिण एशिया की बदलती सुरक्षा परिस्थितियों में रूस ने भारत की सामरिक चिंता को समझा और 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसे अभियानों में सहयोग की भूमिका निभाई। यह तथ्य भारत-रूस संबंधों की गहराई और विश्वास को दर्शाता है।

पुतिन और मोदी की वार्ता ऐसे समय आयोजित हो रही है, जब वैशिक शक्ति-संतुलन परिवर्तन के दौर में है। अमेरिका-चीन तनाव, यूक्रेन युद्ध, पश्चिमी प्रतिबंध, ऊर्जा बाजारों की अस्थिरता और पश्चिमी देशों की रूस के विरुद्ध एकजुटता, इन परिस्थितियों में भारत की भूमिका मध्यस्थ, संतुलक तथा स्वतंत्र धुरी के रूप में उभर रही है। पुतिन भारत को न केवल रक्षा सहयोगी मानते हैं, बल्कि एशियाई भू-राजनीति में संतुलन का स्तंभ भी। वहीं मोदी की विदेश नीति बहुध्रूवीय विश्व की अवधारणा पर आधारित है, जिसमें रूस का स्थान केंद्रीय है। इस यात्रा से ऊर्जा सहयोग और बढ़ेगा। भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता है और रूस उसके लिए सस्ता, विश्वसनीय तथा दीर्घकालिक आपूर्तिकर्ता। प्रतिबंधों के बावजूद रूस ने भारत को कच्चे तेल के साथ ही कोयला, गैस और परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में सहयोग दिया। भारत को सस्ती ऊर्जा देने के पीछे केवल व्यावसायिक हित नहीं बल्कि मित्रता और सामरिक साझेदारी भी निहित है। रक्षा क्षेत्र में सहयोग और विस्तृत होने की उम्मीद है। भारत का लक्ष्य 'मेक इन इंडिया' रक्षा उत्पादन है और रूस इसके लिए सबसे बड़ा भागीदार बना हुआ है। ब्रह्मोस मिसाइल, राइफल निर्माण, स्पेयर पार्ट सप्लाई और संयुक्त विकास कार्यक्रमों के नए विकल्प वार्ता में उभरेंगे। रूस भारत को केवल उपभोक्ता नहीं, निर्माता के रूप में स्थापित करने में सहभागी है, जो संबंधों की परिपक्वता को दर्शाता है।

भारत-रूस दोस्ती अब एक नया अध्याय लिखने को तत्पर है। दोनों देशों की दोस्ती किसी से छिपी नहीं है, यहां तक की अमेरिका के साथ बेहतर हुए संबंधों के दौर में भी रूस हमारा विश्वस्त साझीदार बना रहा है, प्रगाढ़ दोस्ती में कोई फर्क नहीं पड़ा है। अब रूस के राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा से दोनों देशों की दोस्ती में नई गरमाहट की संभावना के साथ दोस्ती के नये स्वस्तिक उकेरने की बात सामने आ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल के वर्षों में अमेरिका के साथ अपने संबंधों को मजबूत किया है, लेकिन रूस के साथ देश के दशकों पुराने रक्षा संबंध भी बरकरार हैं। भारत ने अमेरिका और यूरोप से हथियारों की खरीद बढ़ाकर रूस पर निर्भरता को संतुलित बनाया है, लेकिन मॉस्को अभी भी भारत का सबसे बड़ा हथियार सप्लायर है। रूस दोस्ती की ओर आगे बढ़ते हुए भारत के लोगों को रोजगार देने के लिये भी एक समझौता मसौदा तैयार किया है। रूस अपने उद्योगों के लिए 10 लाख भारतीय कुशल श्रमिकों को काम पर रखना चाहता है।

भारत-रूस संबंधों का सबसे मजबूत आधार है-कूटनीतिक विश्वास और सम्मान। रूस ने कभी भारतीय आंतरिक राजनीति या नीतिगत मामलों में हस्तक्षेप नहीं किया। उसने कश्मीर, परमाणु नीति, रणनीतिक साझेदारी और पड़ोसी विवादों पर भारत की संप्रभुता का समर्थन किया। वहीं भारत ने भी रूस की सुरक्षा चिंताओं को समझाकृचाहे नाटो विस्तार का मुद्दा हो या यूक्रेन का संघर्ष। इसलिए भारत ने पश्चिमी दबावों की उपेक्षा करते हुए संवाद और शांतिपूर्ण समाधान की वकालत की। अंतरिक्ष विज्ञान, तकनीक, शिक्षा, अनुसंधान और चिकित्सा के क्षेत्र में भी रूस की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में रूस सहयोगी रहा है और भविष्य की यात्री-वाहक मिशनों में भी सहयोग की संभावनाएँ हैं। दोनों देशों की सांस्कृतिक साझेदारी भी विशेष हैरू योग, आयुर्वेद, साहित्य, रूसी नाट्यकला और भारतीय कलाकृसबने एक-दूसरे समाज में स्थान पाया। फिर भी यह संबंध चुनौतियों से खाली नहीं। चीन-रूस साझेदारी और भारत-अमेरिका निकटता के बीच संतुलन बनाए रखना दोनों देशों के लिए चुनौतीपूर्ण है। रूस चाहता है कि एशिया में भारत संतुलक भूमिका निभाए, वहीं भारत नहीं चाहता कि रूस का झुकाव चीन की ओर अत्यधिक बढ़े। इसी प्रकार रक्षा सहयोग में तकनीक हस्तांतरण, उत्पादन विलंब और आर्थिक भुगतान व्यवस्थाओं पर भी मतभेद रहे हैं। किंतु इन मतभेदों को वार्ता द्वारा समाधान के प्रयास दोनों राष्ट्रों की परिपक्वता को दर्शाते हैं।

पुतिन की इस यात्रा का महत्व इसलिए भी है कि यह बताती है कि भारत किसी वैश्विक शक्ति के दबाव में नहीं, बल्कि अपनी प्राथमिकताओं के आधार पर संबंध तय करता है। ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा आत्मनिर्भरता, बहुध्रूवीय वैश्विक व्यवस्था और एशियाई सामरिक संतुलन की दृष्टि से भारत-रूस साझेदारी अपरिहार्य है। मोदी और पुतिन की मुलाकात इस विश्वास की प्रमाणिकता है कि संबंध केवल शीत युद्ध की स्मृतियों पर नहीं, बल्कि समकालीन हितों और भविष्य की रणनीति पर आधारित हैं। यह यात्रा एक प्रतीक है-स्वतंत्र विदेश नीति, सामरिक साझेदारी और सांस्कृतिक सम्मान की। भारत-रूस संबंध केवल दो राष्ट्रों की निकटता का परिचय नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में एक विशिष्ट वैकल्पिक शक्ति संरचना का निर्माण है। पश्चिमी देशों की आलोचना और प्रतिबंधों के बावजूद भारत और रूस ने अपने संबंधों को न केवल जीवित रखा बल्कि सुदृढ़ किया।

इस मुलाकात से भारत की ऊर्जा सुरक्षा को नई गति मिलेगी, रक्षा उत्पादन को स्वदेशीकरण का बल मिलेगा, व्यापार एवं तकनीकी सहयोग विस्तृत होगा और रणनीतिक विश्वास की डोर और मजबूत होगी। पुतिन और मोदी की यह वार्ता बताती है कि भूराजनीति केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि भरोसे और सहयोग पर भी टिकती है। अतः कहा जा सकता है कि पुतिन की भारत यात्रा एक नई ऊर्जा, नए दृष्टिकोण और नई साझेदारियों की शुरुआत है-जहाँ भारत और रूस न केवल मित्र हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर संतुलित, स्वाधीन और बहुध्रूवीय विश्व व्यवस्था के निर्माता भी हैं। यह यात्रा उसी निर्माण का नवीन अध्याय है, जिसमें पुराने भरोसे से जन्म ले रहा है एक नया भविष्य।

महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से पुलिस द्वारा चलाया गया जागरूकता अभियान

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। महिलाओं/बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाये जा रहे 'मिशन शक्ति' अभियान फेज-5.0 के तहत जनपदीय पुलिस अधिकारी, महिला बीट आरक्षी/एंटी रोमियो टीम द्वारा महिलाओं/बालिकाओं को उनके अधिकारों एवं नए आपराधिक कानून, विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों, साइबर अपराधों के प्रति तथा शासन द्वारा चलायी जा रही विभिन्न लाभकारी योजनाओं के बारें में जानकारी प्रदान कर किया जा रहा जागरुक।

'मिशन शक्ति' अभियान फेज-5.0के तहत अभिमन्यु मांगलिक पुलिस अधीक्षक जनपद भदोही के निर्देशन में व अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल जनपद भदोही के पर्यवेक्षण में जनपद में महिला बीट आरक्षी/एंटी रोमियों पुलिस टीम सहित पुलिस अधिकारीगण के माध्यम से क्षेत्र में भ्रमण कर प्रमुख चौराहों, कस्बों, बाजारों, मन्दिर, शापिंग मॉल, भीड़भाड़ वाले इलाकों, स्कूलों/कॉलेजों/कोचिंग संस्थानों, रेलवे स्टेशन, रोडवेज सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों व गांवों में जाकर बालिकाओं/छात्राओं एवं महिलाओं को शासन द्वारा चलायी जा रही विभिन्न लाभकारी योजनाओं जैसे-मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी0एम0स्वानिधि योजना, पी0एम0सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, प्रधानमंत्री फ्री सिलाई योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना, महिला ई-हाट योजना तथा बाल विवाह, पाक्सो एक्ट, एवं महिला उत्पीड़न की रोकथाम संबंधी अधिकारों एवं ऑपरेशन मुक्ति के अंतर्गत बाल विवाह एवं बालश्रम तथा महिला उत्पीड़न के संबंध में

पुलिस द्वारा की जाने वाली कार्यवाही के बारे में जानकारी देते हुए जागरूक किया जा रहा है तथा छोटे-छोटे बच्चों को गुडटच-बैडटच के बारें में बताया गया और किसी भी समस्या के बारे में अपने अभिभावकों या पुलिस को अवश्य अवगत कराने के सुझाव दिये गये । सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेट्फार्मों के सुरक्षित उपयोग एवं सुरक्षा के दृष्टिकोण से बरते जाने वाले विभिन्न एहतियात के बारें में, साइबर अपराधों एवं डिजिटल अरेस्ट के बारें में विस्तृत जानकारी देते हुए साइबर फ्रॉड की घटना घटित होने पर तत्काल 1930 पर कॉल करने व उसके द्वारा बताए गए निर्देशों का पालन करें। अपनी जन्मतिथि, नाम, मोबाइल नंबर, आदि का इस्तेमाल कभी भी पासवर्ड बनाने में ना करें, एक ही पासवर्ड का प्रयोग विभिन्न सेवाओं वेबसाइट और ऐप में ना करें, अनजान व्यक्तियों से प्राप्त वीडियो कॉल को रिसीव ना करें, अपने निजी और बैंकिंग डिटेल्स को किसी के साथ फोन या ईमेल पर एसएमएस के जरिए शेयर ना करें, फ्री वाई-फाई का इस्तेमाल करने से बचें तथा शॉपिंग और बैंकिंग के लिए इसका इस्तेमाल कदापि न करें। साइबर सुरक्षा हेल्पलाइन नम्बर-1930 सहित विभिन्न उपयोगी हेल्पलाइन नंबरों यथा- 1090-वीमेन पॉवर लाइन, 181-महिला हेल्प लाइन, 108-एम्बुलेंस सेवा, 1076-मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112-पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098-चाइल्ड लाइ?, 102-स्वास्थ्य सेवा आदि के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान कर जागरूक किया गया ।

पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना सुरियावां के मिशन शक्ति केंद्र का किया गया निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान संबंधित रजिस्टरों को चेक करते हुए दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा थाना सुरियावां के मिशन शक्ति केंद्र का निरीक्षण कर संबंधित रजिस्टरों को चेक किया गया। जिसमें महिला हेल्प डेस्क, महिला बीट अधिकारियों, महिला हेल्पलाइन नंबर (1090, 181, 112) की कार्यप्रणाली तथा आने वाली महिला शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त की गई। इस दौरान पुलिस अधीक्षक महोदय ने संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देशित किया कि मिशन शक्ति 5.0के अंतर्गत महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन से जुड़ी योजनाओं को और प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए तथा प्रत्येक महिला फरियादी की शिकायत को संवेदनशीलता से लिया जाय और पीड़ित महिलाओं का बेहतर काउंसिलिंग किया जाए एवं प्राथमिकता के आधार पर उनकी समस्याओं को निस्तारित किया जाए।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। ज्योति बाल विधामंदिर इण्टर कालेज पीपर गॉव में मिशन शक्ति 5०० के अंतर्गत बाल विवाह मुक्त भारत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। महिला शक्ति केंद्र द्वारा कार्यक्रम में बाल विवाह की सामाजिक व कानूनी जटिलताओं पर विस्तार से जानकारी दी गई तथा बच्चों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन किया गयाएश्रीमती प्रियंका गुप्ता तथा रेशमा भारतीय द्वारा कहा कि किसी भी बच्चे काए चाहे वह लडका हो या लडकी कम उम्र में विवाह नही होना चाहिए। विवाह की कानूनी उम्र लड़कों की 21 वर्ष और लड़कियों की 18 वर्ष है । बाल विवाह न केवल बच्चों के भविष्य को प्रभावित करता हैए बल्कि यह कानूनन दंडनीय अपराध भी है। ऐसे मामलों की सूचना तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर देने की अपील की ए समय से पूर्व विवाह उनकी शिक्षाए स्वास्थ्य और व्यक्तिगत विकास पर गंभीर प्रभाव डालता है। उन्होंने बालकएबालिकाओं को अच्छी शिक्षा प्राप्त कर आगे बढ़ने और अपने सपनों को पूरा करने का संदेश दिया। इसके साथ ही बालकध्बालिकाओं को बाल विवाह मुक्त भारत की शपत भी दिलाई गयी। महिला कल्याण विभाग द्वारा आन्नद मौर्या एंव बालक बालिकाए उपस्थित रहे!

भटकी हुई मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला को पुलिस ने घर पहुँचाया

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए भदोही पुलिस ने एक मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला को सुरक्षित उसके परिजनों तक पहुँचाकर सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया। घटना 06 दिसंबर की रात करीब 10 बजे की है, जब पीआरवी 7673 को सूचना मिली कि थाना औराई क्षेत्र के भगवानपुर गांव में एक आंशिक रूप से विचलित महिला भटक कर पहुंच गई है।

सूचना मिलते ही पीआरवी टीम तत्काल मौके पर पहुँची और महिला को सुरक्षित मिशन शक्ति केंद्र, औराई ले जाया गया। वहां तैनात महिला पुलिसकर्मियों ने धैर्यपूर्वक व सहजता से बातचीत कर उसके परिजनों का पता लगाया। महिला के परिजन ग्राम सागरपुर बवई, थाना सुरियावां निवासी हैं। वे तत्काल औराई आने में असमर्थ थे, ऐसे में पुलिस टीम ने स्वयं महिला को उसके घर पहुंचाकर परिजनों को सकुशल सुपुर्द कर दिया।

महिला को सुरक्षित घर पहुंचाने की यह संवेदनशील पहल परिजन ही नहीं, बल्कि आमजनमानस द्वारा भी खूब सराही जा रही है। पुलिस अधीक्षक भदोही अभिमन्यु मांगलिक ने भी पुलिस टीम की तत्परता और मानवीय कार्य की सराहना की।

एसपी द्वारा सुरियावां थाने का किया गया निरीक्षण, दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा थाना सुरियावा का किया गया निरीक्षण। के दौरान द्वारा विवेचना निस्तारण के संबंध में चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना सुरियावां की लंबित विवेचनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई तथा सभी विवेचकों को समयबद्ध निस्तारण के लिए निर्देशित किया गया। साथ ही जनशिकायतों की सुनवाई कर तत्काल जांच एवं विधिक निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

इसके अतिरिक्त अधिक समय से लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण, वांछित अभियुक्तों एवं वारंटियों की गिरफ्तारी, आईजीआरएस व शिकायती प्रार्थना पत्रों के त्वरित निस्तारण, मोबाइल रिकवरी, साइबर अपराधों एवं ँ के सम्बन्ध में प्रभावी कार्यवाही करने हेतु स्पष्ट निर्देश दिये गये। रात्रि में चौराहों/तिराहों पर चेकिंग कराकर अपराधियों के संचरण पर रोक लगाने तथा आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों का भौतिक सत्यापन करने पर भी बल दिया गया।

पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा अवैध शराब एवं मादक पदार्थों की तस्करी/क्रय-विक्रय करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने, थाना के मालखाना के माल निस्तारण में गति लाने हेतु निर्देशित किया गया।

इसके साथ ही शासन एवं उच्चाधिकारीगण द्वारा जारी दिशा-निर्देशों तथा प्रचलित अभियानों के प्रभावी अनुपालन हेतु भी आवश्यक निर्देश प्रदान किये गये।

10 से 28 दिसंबर तक होगा राशन वितरण

अन्त्योदय व पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को मिलेगा निःशुल्क खाद्यान्न

भदोही। जिला पूर्ति अधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि जनपद में अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को दिसंबर 2025 माह का खाद्यान्न तथा अक्टूबर दिसंबर 2025 तिमाही की चीनी का वितरण 10 से 28 दिसंबर, 2025 तक किया जाएगा। यह वितरण राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत आयुक्त, खाद्य एवं रसद विभाग, उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार सुनिश्चित किया जा रहा है। अन्त्योदय कार्डधारकों को प्रति कार्ड 14 किग्रा गेहूं, 21 किग्रा चावल, कुल 35 किग्रा खाद्यान्न निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अलावा अक्टूबर, नवंबर व दिसंबर तिमाही के लिए 3 किग्रा चीनी 18 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से कुल 54 रुपये में प्रदान की जाएगी। पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को उनके कार्ड से संबद्ध प्रत्येक यूनिट पर 2 किग्रा गेहूं और 3 किग्रा चावल, कुल 5 किग्रा खाद्यान्न निःशुल्क दिया जाएगा। जिला पूर्ति अधिकारी ने सभी पात्र लाभार्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित अवधि के भीतर अपनी उचित दर की दुकान से खाद्यान्न प्राप्त कर लें। उन्होंने स्पष्ट किया कि अन्त्योदय कार्डों पर मिलने वाली चीनी के लिए पोर्टेबिलिटी की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी, इसलिए लाभार्थी अपनी मूल दुकान से ही चीनी प्राप्त करें।

गोपीगंज में 'न्यू लाइफ मेडिकेयर क्लिनिक' का शुभारंभ

ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी सुलभ व आधुनिक दिशा

गोपीगंज। ग्रामीण क्षेत्र को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान करने की दिशा में गोपीगंज में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए न्यू लाइफ मेडिकेयर क्लिनिक का भव्य उद्घाटन किया गया। हाजी कारी इमाम गुलाम मुर्तुजा ने नियाज़ के बाद फीता काटकर क्लिनिक का शुभारंभ किया। उद्घाटन के अवसर पर मुफ्त स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किया गया, जिसमें लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराकर लाभ उठाया। क्लिनिक का संचालन डॉ. सगूफा अख्तर बी.यू.एम.एस., जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, नई दिल्ली करेंगी, जो स्त्री रोग, जनरल फिज़िशियन एवं सर्जरी के क्षेत्र में अनुभव रखती हैं। उन्होंने बताया कि क्लिनिक का उद्देश्य ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में आधुनिक, सुलभ तथा किफायती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। कई महिलाओं ने कहा कि क्षेत्र में महिला चिकित्सक की उपलब्धता से उन्हें काफी सुविधा और राहत मिलेगी, क्योंकि परामर्श में अब झिझक नहीं होगी। स्थानीय लोगों ने क्लिनिक के संचालन को गोपीगंज की स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए सकारात्मक कदम बताया।

उद्घाटन कार्यक्रम में डॉ. आशुतोष पांडे, डॉ. आर.के. बिंद, डॉ. विजय गौतम, डॉ. असलम अंसारी, डॉ. बदरूदजमा, डॉ. आशुतोष यादव, डॉ. नंदलाल, डॉ. आशीष गुप्ता, डॉ. शगुफ्ता अख्तर, डॉ. मुकेश, डॉ. स्वप्निल सिंह, माबूद खान, मोहम्मद सोनू समेत कई लोग मौजूद रहे।

ज्ञानपुर रोड स्टेशन पर देर शाम बढ़ी भीड़, रेलवे पुलिस अलर्ट मोड में

गोपीगंज। रविवार की देर शाम गोपीगंज नगर स्थित ज्ञानपुर रोड रेलवे स्टेशन पर सामान्य दिनों की तुलना में अधिक भीड़ देखने को मिली। जनरल टिकट काउंटर पर लंबी कतारें लगी रहीं। सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए जीआरपी चौकी प्रभारी आनंद कुमार यादव अपनी पुलिस टीम के साथ पूरी तरह मुस्तैद रहे। साप्ताहिक ट्रेनों के चलते बढ़ी भीड़ को देखते हुए पुलिस ने स्टेशन परिसर में अभियान चलाकर यात्रियों से पूछताछ की। विभूति एक्सप्रेस, पटना-सिकंदराबाद, हापा तथा उधना-दानापुर ट्रेनों में भी जांच की गई। संदिग्धों की पहचान के लिए हर यात्री से पूछताछ की गई, वहीं अनावश्यक रूप से घूमने वालों को चेतावनी दी गई और मनमानी पार्किंग करने वालों को वाहन स्टैंड में लगाने का निर्देश दिया गया।

किसान मोर्चा ने किया विद्युत विभाग पर प्रदर्शन

विधेयक रद्द करने सहित कई मांगों का ज्ञापन सौंपा

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। अखिल भारतीय संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर सोमवार को बड़ी संख्या में किसानों ने विद्युत वितरण प्रखंड भदोही के अधिशासी अभियंता कार्यालय पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। किसानों ने बिजली व्यवस्था से जुड़े मुद्दों तथा नए विधेयकों के विरोध में अपनी मांगें उठाते हुए ज्ञापन सौंपा।

किसानों ने विद्युत विधेयक 2025 को रद्द किए जाने की मांग प्रमुखता से उठाई। उनका कहना था कि इस विधेयक से न तो उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा और न ही किसानों को, बल्कि बिजली महंगी होने से आम जनजीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि महंगी बिजली के कारण कई घरों में अंधेरा छा सकता है।

किसानों द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में अन्य प्रमुख मांगें शामिल रहीं जिसमे स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया बंद की जाए, रबी फसल की सिंचाई के लिए बिजली आपूर्ति दिन में सुनिश्चित की जाए, पुराने एवं जर्जर तारों तथा खंभों को बदला जाए, बिजली विभाग के संविदा कर्मचारियों को स्थायी किया जाए, बीज विधेयक 2025 को रद्द किया जाए तथा खेती को कार्पोरेट नियंत्रण से मुक्त रखा जाए। किसान नेताओं ने कहा कि उनकी मांगें पूरी तरह जनहित से जुड़ी हैं और इन पर शीघ्र कार्रवाई आवश्यक है। प्रदर्शन के दौरान इंद्र देव पाल, जगन्नाथ मौर्या, अमृतलाल मौर्य, अमृत, रामचन्द्र पटेल, रामजीत यादव, केशव प्रसाद, ज्ञान प्रकाश प्रजापति, बनारसी सोनकर, हृदय लाल यादव, ज्वाला प्रसाद, सालिक राम यादव, सुशील कुमार श्रीवास्तव, श्रीराम बिंद, मिवाई लाल, सुशीला श्रीवास्तव, भूलाल पाल, सोहन सहित अनेक किसान उपस्थित रहे। किसानों ने चेताया कि यदि मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन को आगे और तेज किया जाएगा।

क्विज प्रतियोगिता में उत्कृष्ट विद्यार्थियों ने चमकाया ब्लॉक का नाम

भदोही। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय क्विज प्रतियोगिता का आयोजन सोमवार को नगर संसाधन केंद्र भदोही में खंड शिक्षा अधिकारी चंद्रशेखर आज़ाद की देखरेख में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में उच्च प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों के विज्ञान विषय के चयनित 3-3 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

एक दिवसीय प्रतियोगिता में बहुविकल्पीय, लघु उत्तरीय तथा मौखिक प्रश्नों के जरिए विद्यार्थियों की प्रतिभा का मूल्यांकन किया गया। परिणामस्वरूप शनि प्रजापति सीएस हरियाँव और प्रगति मौर्या सीएस कुकरौठी ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया।

द्वितीय स्थान संयुक्त रूप से प्रिंस गौतम सीएस हरियाँव, गुनगुन मौर्या। सीएस रैमलपुर, गुड्डी पटेल सीएस कुकरौठी और गरिमा पटेल सीएस भिखारीपुर को मिला।

खंड शिक्षा अधिकारी चंद्रशेखर आज़ाद ने सभी विजेता छात्रों को ट्रॉफी, मेडल और उपहार प्रदान कर सम्मानित किया।

उन्होंने बताया कि ब्लॉक स्तर पर चयनित उत्कृष्ट छात्रों को जनपद स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में प्रतिभाग कराया जाएगा। साथ ही विभाग की ओर से 14 दिसंबर को शिक्षकों की देखरेख में सारनाथ शैक्षणिक भ्रमण भी कराया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में एआरपी सुरेश कुमार मौर्या, अखलाक अहमद, विनोद सिंह, मुकुल सिंह, मुकेश सिंह, शाहीन बानो, डाली सिंह एवं इमरान हसन का सराहनीय योगदान रहा।

उपकेंद्र पाली बंद होने से 20 गांवों के 1200 किसान परेशान, जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। साधन सहकारी समिति ज्ञानपुर के उपकेंद्र पाली के बंद होने से क्षेत्र के लगभग 20 गांवों के करीब 1200 किसान भारी दिक्कतों का सामना कर रहे हैं। किसानों ने सोमवार को जिलाधिकारी भदोही को ज्ञापन सौंपकर उपकेंद्र को पुनः चालू कराने की मांग की।

किसानों ने बताया कि पाली उपकेंद्र वर्षों से न्याय पंचायत और वारी न्याय पंचायत के किसानों को खाद-बीज उपलब्ध कराता रहा है। लेकिन लंबे समय से उपकेंद्र बंद रहने के कारण किसानों को खाद समय से नहीं मिल पा रहा है, जिससे खेती प्रभावित हो रही है। किसानों को अब 15 किलोमीटर दूर अन्य केंद्रों से खाद लाना पड़ रहा है, जिससे समय और खर्च दोनों बढ़ गए हैं।

ज्ञापन में ग्राम सभा पाली द्वारा किसान सेवा सहकारी समिति के पक्ष में भूमि आवंटित होने का भी उल्लेख किया गया है। गाटा संख्या 398, रकबा 0.053 हेक्टेयर भूमि प्रस्तावित होने के बावजूद अभी तक समिति को भूमि का नामांतरण नहीं मिल सका है।

किसानों ने जिलाधिकारी से निवेदन किया कि उपकेंद्र पाली को तत्काल प्रभाव से पुनः चालू कराया जाए, ताकि क्षेत्र के सैकड़ों किसानों को राहत मिल सके और उन्हें खाद-बीज के लिए भटकना न पड़े।

औराई में मेथिल एसिड से भरा टैंकर पलटा, सड़क पर फैला केमिकल; फायर ब्रिगेड ने संभाला मोर्चा

मंत्र भारत संवाददाता

औराई। महाराजगंज बाजार स्थित एचपी पंप के सामने मेथिल एसिड से लदा टैंकर अचानक पलट गया। टैंकर का अगला टायर फटने से वाहन अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ता हुआ दूसरी लेन पर जा गिरा। गनीमत रही कि हादसे के समय सड़क सुनसान थी, वरना बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। चालक को हल्की चोटें आई हैं।

जानकारी के अनुसार उन्नाव से केमिकल लेकर कोलकाता जा रहा टैंकर सुबह करीब 5 बजे दुर्घटनाग्रस्त हुआ। चालक अविनाश यादव, निवासी पसरिया बीघापुर, उन्नाव ने बताया कि अचानक आगे का टायर फटने से वाहन नियंत्रण खो बैठा और पलट गया।

सूचना पर क्षेत्राधिकारी औराई चमन सिंह चावड़ा तथा कोतवाल मनोज कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। 112 पुलिस व नेशनल हाईवे क्रेन की सहायता से टैंकर को सीधा कराया गया।

हादसे के बाद सड़क पर मेथिल एसिड पानी की तरह फैल गया था, जिससे आग लगने का खतरा बढ़ गया। स्थिति को गंभीर देखते हुए फायर ब्रिगेड को बुलाया गया। दमकल कर्मियों ने पूरे मार्ग को साफ कराया और केमिकल को निष्क्रिय करने की प्रक्रिया शुरू की। पुलिस द्वारा हाइड्रा की मदद से टैंकर को हटाकर सुरक्षित स्थान पर खड़ा किया गया है। कोतवाल मनोज कुमार ने बताया कि टैंकर फुल लोड था, जिससे कुछ एसिड जमीन पर फैल गया था। एहतियात के तौर पर पूरे क्षेत्र को कुछ समय के लिए खाली कराया गया। वाहन मालिक को भी घटना की सूचना दे दी गई है।

रैपुरी गांव में विषाक्त पदार्थ से विवाहिता की मौत, पिता ने लगाया हत्या का आरोप

गोपीगंज। थाना गोपीगंज क्षेत्र के रैपुरी गांव में रविवार की रात विषाक्त पदार्थ सेवन से एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

गांव निवासी सज्जन गौतम की पत्नी कविता गौतम (24 वर्ष) की रविवार रात हालत बिगड़ने पर उसकी मौत हो गई। सूचना पर सोमवार सुबह पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक जांच-पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजा। मृतका के एक माह की एक पुत्री भी है।

मृतका के पिता शारदा प्रसाद गौतम, निवासी शिवसेवक पट्टी कोइरौना, ने आरोप लगाया कि वर्ष 2023 में उनकी बेटी का विवाह रैपुरी गांव निवासी हंसलाल गौतम के पुत्र सज्जन गौतम से हुआ था। शादी में दहेज स्वरूप एक बाइक व 51 हजार रुपये नकद दिया गया था। इसके बावजूद ससुराल पक्ष द्वारा अधिक दहेज की मांग को लेकर बेटी को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। पिता ने तहरीर में पति सज्जन, सास हिरावती, जेठ सुरेश, जेठानी रागिनी और ननद विंदू देवी पर जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाया है।

कोतवाल शैलेश कुमार राय ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद दहेज उत्पीड़न व हत्या की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

एसएचओ अरुण राय हत्याकांड मामले में महिला कांस्टेबल मीनाक्षी गिरफ्तार, खून से लथपथ मिला था शव

'गार्ड ऑफ ऑनर' के साथ अंतिम संस्कार; विवादों से रहा है पुराना नाता

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के जालौन जिले के कुठौद थाने के प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार राय की संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से मौत के मामले में पुलिस ने एक महिला आरक्षी को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उनके मुताबिक, राय के गृह जिले संत कबीर नगर में उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार रात प्रभारी निरीक्षक राय की गोली लगने से मौत के बाद उनकी पत्नी माया राय ने एक महिला आरक्षी पर हत्या का आरोप लगाया था तथा पुलिस ने आज महिला आरक्षी को गिरफ्तार कर लिया। जालौन के पुलिस अधीक्षक (एसपी) डॉ दुर्गेश कुमार ने बताया कि विगत पांच दिसंबर को थाना कुठौद के प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार राय की गोली लगने से मृत्यु हो गई थी। सूचना पाकर दिवंगत निरीक्षक की पत्नी माया राय अपने गृह जनपद संत कबीर नगर से जालौन पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची।

उन्होंने थाना कोच में 'डायल 112' नंबर में तैनात महिला आरक्षी मीनाक्षी शर्मा पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक को तहरीर दी थी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर शर्मा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की हत्या की धारा के तहत प्राथमिकी दर्ज की और उसी आधार पर रविवार को शर्मा को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, घटना के समय आरक्षी शर्मा दिवंगत निरीक्षक के आवास पर ही थी और उसी ने अन्य पुलिसकर्मियों को घटना की सूचना दी थी।

उधर संत कबीर नगर जिले के धनघटा तहसील के बिरहालघाट पर निरीक्षक अरुण कुमार राय का रविवार को अंतिम संस्कार 'गार्ड ऑफ ऑनर' के साथ किया गया। थाना प्रभारी धनघटा जयप्रकाश दुबे की उपस्थिति में अंतिम संस्कार किया गया और घाट पर बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी मौजूद थे। राय धनघटा थाना क्षेत्र के रजनौली गांव के निवासी थे।

निरीक्षक अरुण कुमार राय की हत्या के मामले में जिम्मेदार बताई जा रही महिला सिपाही शर्मा बरेली जिले के बहेड़ी कोतवाली में तैनाती के दौरान भी विवादों में रही थी। मित्रवत संबंधों को लेकर बहेड़ी थाने में गोली चली थी, लेकिन गोली से कोई घायल नहीं हुआ था। इसके बाद मीनाक्षी शर्मा का तबादला हुआ था। इसके अलावा मीनाक्षी शर्मा का नाम पीलीभीत जिले में भी सुर्खियों में रहा है। साल 2019 में उनके खिलाफ कई मामलों की शिकायतें दर्ज हुई थीं। आरोप है कि उन्होंने वहां तैनात एक सिपाही और दरोगा को ब्लैकमेल किया था। इस दौरान विवाद बढ़ने के बाद उनका ट्रांसफर अमरिया और फिर सुनगढ़ी थाना क्षेत्र में डायल-112 में किया गया था। अब एक बार फिर मीनाक्षी शर्मा का नाम चर्चा में है।

कफ सिरप तस्करी का बड़ा खुलासा : वाराणसी और लखनऊ में एसआईटी की कार्रवाई, फर्जी लाइसेंस और करोड़ों का खेल आया सामने

लखनऊ **(एजेंसी)**। वाराणसी और लखनऊ पुलिस की लगातार कार्रवाई के बाद कफ सिरप तस्करी का मामला धीरे-धीरे पूरी तरह सामने आ रहा है। वाराणसी में गठित स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल के दो बड़े राजदारों को हिरासत में लिया है। दोनों आरोपी शहर के दवा फर्म संचालक हैं। एसआईटी को इनके पास से ऐसे ठोस सबूत मिले हैं, जिनसे पूरे काले कारोबार की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

पूछताछ में दोनों संचालकों ने कबूल किया कि वे पिछले एक साल से कफ सिरप की खरीद-बिक्री में शामिल थे। फर्मों में खरीद रिकॉर्ड में दर्ज थी, लेकिन बिक्री का पूरा हिसाब गायब था। फर्मों के दस्तावेज, बैंक खातों और संदिग्ध लेनदेन की जानकारी एसआईटी के हाथ लगी है। अब दोनों को एनडीपीएस और धोखाधड़ी जैसी गंभीर धाराओं में गिरफ्तार किए जाने की संभावना है। शुभम जायसवाल के एक चार्टर्ड अकाउंटेंट से भी पूछताछ की जा रही है, जिससे और राज खुलने की उम्मीद है।

जांच में पता चला कि ड्रग

विभाग ने महज 12वीं पास युवकों को भी बिना सत्यापन दवा का लाइसेंस दे दिया था। इन फर्जी लाइसेंसों के जरिए प्रतिबंधित कफ सिरप का करोड़ों का कारोबार वर्षों तक चलता रहा। शुभम के दो राजदारों की गिरफ्तारी के बाद पता चला कि फर्जी फार्मा कंपनियों के नाम पर भारी बिलिंग होती थी, लेकिन वास्तविक बिक्री का कोई रिकॉर्ड नहीं था। दोनों संचालकों को हर महीने 30-40 हजार रुपए देकर उनके नाम का इस्तेमाल किया जाता था। इन फर्मों के नाम पर पांच लाख से अधिक कफ सिरप की खपत दिखाई गई। एसआईटी की पहली बड़ी गिरफ्तारी से ड्रग विभाग की मिलीभगत और दो करोड़ से ज्यादा का अवैध कारोबार सामने आया।

लखनऊ में भी तस्करी से जुड़े कई बड़े खुलासे सामने आए। मॉडल जेल में तैनात वॉर्डर महेंद्र सिंह को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया।

उसकी करीबी दोस्ती बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह से सामने आई, जो जेल में कफ सिरप तस्करी में बंद है। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि महेंद्र सिंह की पत्नी के बैंक खाते में आलोक सिंह के खाते से लाखों रुपये ट्रांसफर हुए थे। महेंद्र सिंह और आरोपी अमित सिंह टाटा तथा आलोक सिंह की कई तस्वीरें पुलिस के हाथ लगी हैं। महेंद्र सिंह पूर्व बाहुबली सांसद का करीबी रहा है और सांसद के काफिले में चलने वाली 9777 नंबर की एसयूवी में घूमता था।

दोनों शहरों में की गई कार्रवाई से साफ है कि कफ सिरप तस्करी सिर्फ दवा फर्म तक सीमित नहीं है। इसमें पुलिसकर्मी, रसूखदार लोग और बड़े नेटवर्क भी शामिल हैं। पुलिस आने वाले घंटों में और बड़े खुलासे करने की तैयारी में है। इसके बाद कई और बड़े नाम सामने आने की संभावना है।

9वीं की हिंदू छात्रा का निकाह, संगठन को लगी भनक तो हो गया कांड, दूल्हा-दुल्हन को थाने ले गई पुलिस

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश में लगातार धर्म परिवर्तन कराने वालों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। इसके बावजूद भी शाहजहांपुर में 9वीं कक्षा में पढ़ने वाली हिंदू छात्रा का निकाह मुस्लिम युवक से कराई जा रही थी। पुलिस को भनक लगते ही बिना देर किए मौके पर पहुंती और दोनों पक्ष के लोगों को हिरासत ले ली।

आपको बता दें कि पूरा मामला जिले के एक जनता मैरिज हॉल कहा है। यहां पर एक नाबालिग हिंदू लड़की की शादी मुस्लिम लड़के से कराई जा रही थी। इसकी जानकारी हिंदूवादी संगठन के नेता राजेश अवस्थी को मिली, जिसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस से संपर्क साधा और मौके पर पहुंच गए। शादी समाहरोह में पुलिस की एंट्री से लोग तितर-बितर होने लगे। पुलिस ने शादी रूकवा दी और दोनों पक्ष के लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ करने लगी। बताया जा रहा है कि लड़की उम्र 16 साल है लेकिन लड़की पूछने पर उसने अपनी उम्र 17 साल बताई है।

वहीं, इस मामले को लेकर हिंदू संगठन के लोगों का कहना है कि लड़की अभी नाबालिग है और पूरी योजना के तहत धर्म परवर्तन कराकर उसकी शादी दूसरे समुदाय के लड़के से कराई जा रही है। इस आरोप के बाद शादी समारोह में हंगामा होने लगा। इस आरोप के बाद शादी के बीच में ही हंगामा शुरू हो गया। हिंदू संगठन के नेता ने कहा कि इन लोगों को कानून का भय नहीं है। इन पर धर्मांतरण और लव जिहाद ऐसी धाराएं लगानी चाहिए।

मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दूल्हा और दुल्हन को थाने ले जाकर पूछताछ की। इस पूरे प्रकरण में पुलिस का कहना है कि अभी किसी भी पक्ष से किसी भी प्रकार का कोई शिकायत पत्र नहीं मिला है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है उसके बाद ही आगे की कर्रवाई की जाएगी।

एसआईआर में फर्जीवाड़ा : सऊदी में रह रहे भाई के फॉर्म में किया फर्जी साइन, पुलिस ने पकड़े दो आरोपी

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के सहारनपुर में एसआईआर सर्वे के दौरान वोटर लिस्ट में फर्जी हस्ताक्षर करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने रविवार को इस मामले में दो भाइयों अकरम और अमजद को गिरफ्तार किया है। दोनों पर आरोप है कि उन्होंने अपने भाई समून की जगह वोटर लिस्ट फॉर्म पर जाली साइन कर दिए, जबकि समून पिछले तीन साल से सऊदी अरब में रह रहा है।

30 नवंबर को चिलकाना थानाक्षेत्र के चौरा कलां गांव में बीएलओ सत्यापन के लिए पहुंचे थे। जब टीम ने मतदाता समून के बारे में जानकारी ली, तो पता चला कि वह तीन साल से सऊदी अरब में नौकरी कर रहा है और गांव में नहीं है। इसके बावजूद उसके नाम से फॉर्म पर हस्ताक्षर मिले। जांच में पता चला कि उसके भाई अकरम या अमजद ने ये फर्जी साइन किए थे।

खंड शिक्षा अधिकारी और सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रेशन अधिकारी संजय डबराल जब सर्वे का स्थलीय निरीक्षण कर रहे थे, तभी यह गड़बड़ी पकड़ में आई। बीएलओ द्वारा जमा किए गए प्रपत्रों के घर-घर सत्यापन में यह मामला सामने आया। इसे गंभीर मानते हुए 3 दिसंबर को चिलकाना थाने में मुकदमा दर्ज करवाया गया। मुकदमा दर्ज होने के बाद आरोपी फरार थे। एसएसपी आशीष तिवारी के निर्देश पर पुलिस टीम बनाई गई। रविवार को मुखबिर की सूचना पर चिलकाना थाना प्रभारी विनोद कुमार की टीम ने दबिश देकर दोनों भाइयों को गिरफ्तार किया। बाद में उन्हें कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

बरेली पोस्टर विवाद : मौलाना तौकीर रज़ा और 37 अन्य के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल

लखनऊ **(एजेंसी)**। पुलिस ने बरेली में 26 सितंबर को हुई हिंसा के मुख्य आरोपी मौलाना तौकीर रज़ा और 37 अन्य के खिलाफ एक स्थानीय अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया है। अधिकारियों ने बताया कि बारादरी पुलिस थाने ने इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल के अध्यक्ष रज़ा, उनके करीबी सहयोगी नफीस और अन्य के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है, जबकि नौ अन्य संबंधित मामलों में जांच जारी है जिनमें भी रजा का नाम शामिल है।

आरोप है कि यह हिंसा 26 सितंबर को ''आई लव मुहम्मद'' पोस्टर से जुड़े विवाद को लेकर भड़की थी। पुलिस के अनुसार, शहर में कई जगहों पर भीड़ जमा हुई, पुलिसकर्मियों पर पेट्रोल बम फेंके, पथराव और गोलीबारी की तथा दंगा नियंत्रण बंदूक सहित हथियार लूट लिए। इस अशांति में दो दर्जन से ज़्यादा पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। उस रात कोतवाली, बारादरी, प्रेमनगर, कैंट और किला पुलिस थानों में 10 मामले दर्ज किए गए थे। कोतवाली और बारादरी में दर्ज दो मुख्य मामलों की जांच बाद में अपराध शाखा को सौंप दी गई थी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने कहा कि बारादरी मामले में गिरफ्तारी के बाद मौलाना

तौकीर रज़ा सहित 38 आरोपियों को जेल भेज दिया गया था और जांच पूरी होने के बाद शनिवार को अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया गया। आर्य ने कहा, ''बाकी मामलों में जांच में तेज़ी लाई जा रही है। अज्ञात आरोपियों की पहचान करने के प्रयास जारी हैं। सभी पहचाने गए आरोपियों को जेल भेजा जाएगा और किसी भी निर्दोष व्यक्ति को परेशान नहीं किया जाएगा।''

पुलिस ने बताया कि शुरू में इस मामले में 19 आरोपियों के नाम थे, जबकि जांच के दौरान 55 और नाम सामने आए। इनमें से 38 आरोपियों के खिलाफ सबूतों के साथ आरोप पत्र दाखिल किया गया है। पुलिस ने बताया कि मौलवी तौकीर रज़ा फिलहाल फतेहगढ़ जेल में बंद हैं, जबकि नफीस और कई अन्य आरोपी बरेली जेल में बंद हैं।

हुमायूं कबीर को वीएचपी नेता की चेतावनी 1992 का मंजर याद दिलाने की कोशिश मत करो

इंदौर। टीएमसी के पूर्व नेता हुमायूं कबीर के हालिया बयान को लेकर अब विवाद गहराता जा रहा है। इस मुद्दे पर विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के एक वरिष्ठ नेता ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। विश्व हिंदू परिषद के नेता ने चेतावनी देते हुए कहा है कि 1992 का मंजर याद दिलाने की कोशिश मत करो

उन्होंने कहा कि संगठन हुमायूं कबीर के वक्तव्य की घोर निंदा करता है। धार्मिक स्थलों को लेकर जानबूझकर तनाव पैदा करने की कोशिश की जा रही है। वीएचपी नेता के अनुसार, 'मुर्दों की मस्जिद नहीं बनाई जाती, आक्रांताओं की मस्जिद नहीं बनाई जाती। जहां-जहां ऐसी मस्जिदें बनाई जा रही हैं, यह गलत है और इसकी निंदा की जानी चाहिए।'

उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ समाज में अनावश्यक तनाव बढ़ा सकती हैं। इसके साथ ही उन्होंने 6 दिसंबर 1992 की घटना का ज़िक्र करते हुए कहा कि उस दौर से सबक लेना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि हिंदू समुदाय को उकसाने या चेतावनी देने जैसी बातों से बचना चाहिए, क्योंकि इससे भावनाएँ आहत होती हैं।

संतोष शर्मा ने कहा है कि चुनावी मौसम में ऐसे मुद्दों को उछालकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की जाती है, खासकर बंगाल जैसे संवेदनशील राज्यों में। वीएचपी नेता ने अपने बयान में कहा कि धार्मिक मुद्दों को राजनीतिक लाभ के लिए भुनाना देशहित में नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि देश की भूमि को बदनाम करने वाले बयानों और गतिविधियों पर रोक लगनी चाहिए।

शर्मा ने चेतावनी भरे लहज़े में कहा कि 'जिस प्रकार 6 दिसंबर 1992 का मंजर देश ने देखा था, वैसा दोबारा होने का खतरा तब पैदा होता है जब कुछ तत्व जानबूझकर सामाजिक तनाव को बढ़ावा देते हैं।' उन्होंने आगे कहा कि विचारों और संस्कारों में भिन्नता के बावजूद सभी पक्षों को संवेदनशील धार्मिक मुद्दों पर संयम बरतना चाहिए। बाबरी मस्जिद का संदर्भ देते हुए उन्होंने विवादास्पद टिप्पणी की, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि देश में शांति और सौहार्द बनाए रखने की जिम्मेदारी सभी की है। फिलहाल इस बयान ने राजनीतिक और सामाजिक हलकों में नई बहस को जन्म दे दिया है। विभिन्न संगठनों ने अपील की है कि किसी भी प्रकार की उकसाने वाली बयानबाजी से बचा जाए और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग किया जाए।

कैग रिपोर्ट का बड़ा खुलासा : प्रदेश में बच्चों से ज्यादा बजट गायों पर?

जीतू पटवारी ने की सीबीआई जांच की मांग की

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आज प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मध्यप्रदेश में शिक्षा और किसानों की स्थिति पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कैग रिपोर्ट में प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था, गरीबों और महिलाओं की स्थिति को गंभीर बताया गया है।

पटवारी ने कहा कि आज स्कूलों में 60 लाख बच्चे कम हो गए हैं, जबकि शिक्षा विभाग का बजट पिछले वर्षों में लगातार बढ़कर अब 37 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि बच्चों के पोषण पर मात्र 12 रुपये खर्च हो रहे हैं, जबकि गायों पर 40 रुपये। इसके बावजूद बच्चे और गायें दोनों ही कुपोषित हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि देश में सबसे अधिक कुपोषित बच्चे मध्य प्रदेश में हैं, लेकिन इस पर मुख्यमंत्री की समीक्षा का समय नहीं है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की भोपाल में बेबाक आलोचना की सराहना की और कहा कि उन्होंने साफ कहा कि मध्यप्रदेश के बच्चे 5वीं तक सेब, 10वीं तक अंजीर नहीं खा पाते।

पटवारी ने कहा कि साल 2012-13 में 1 करोड़ 60 लाख बच्चे स्कूलों में पढ़ते थे, आज केवल 1 करोड़ 4 लाख बच्चे पढ़ रहे हैं, जबकि बजट पांच गुना बढ़ गया। उन्होंने सवाल उठाया कि 50 लाख बच्चों का राशन कहां गया और बच्चों के खाने से जुड़े अधिकारियों का क्या हाल है। उन्होंने मांग की कि सीबीआई द्वारा मिड-डे-मील और

शिक्षा से जुड़े सभी मामलों की जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 'खाऊंगा ना खाने दूंगा' के वादे पर क्या हुआ, और शिक्षा से जुड़े सभी निविदाएं का सोशल ऑडिट और ईडी जांच होना चाहिए। किसानों के हालात पर बात करते हुए जीतू पटवारी ने कहा कि आज किसानों को फसल के दाम नहीं मिल रहे, और मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री की विदेश यात्रा पर 11 दिन में 34 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जिसका राज्य और किसानों पर कोई सकारात्मक असर नहीं हुआ। पटवारी ने मुख्यमंत्री और केंद्र सरकार से मांग की कि शिक्षा और किसानों के हित में जितना पैसा आया है उसका पारदर्शी ऑडिट किया जाए, और बच्चों और किसानों की वास्तविक स्थिति का तुरंत सुधार किया जाए।

राजस्थान के कपल की एमपी में हुई इज्जत तार-तार अंतरंग पलों को होटल कर्मियों ने कैमरे में किया कैद

भोपाल **(एजेंसी)**। विश्व प्रसिद्ध धार्मिक स्थल कुबरेश्वर धाम देश-विदेश में अपनी धार्मिक आस्था और शक्ति के लिए प्रसिद्ध है। लेकिन इस बार ये धार्मिक नगरी में ऐसा कांड हुआ है जो किसी को भी हिला दे। कुबरेश्वर धाम इलाके में होटल में ठहरे पति और पत्नी के अंतरंग पलों का वीडियो बनाकर वायरल कर दिया गया औ? ईज्जत तार-तार कर दी गई। वीडियो बनाने के से संगीन आरोप सामने वाले होटल के स्टाफ पर लगे हैं।

ऐसी काले कारनामे से करोड़ों भक्तों की आस्था पर चोट कर रही है। सनसनीखेज सच्चाई ने पूरे जिले को झकझोर कर रख दिया है। पवित्र स्थल की परिधि में गंदे वीडियो के वायरल होते ही सनसनी फैल गई है।

जानकारी के मुताबिक कुबरेश्वर धाम क्षेत्र स्थित होटल डमरू वाला के कमरा नंबर 201 में एक कपल ठहरा हुआ था जो राजस्थान का रहने वाला है। पति और पत्नी के साथ 18 साल की बेटी भी थी। वायरल वीडियो के मुताबिक कपल अंतरंग पलों में मशगूल था और बेटी साथ ही सोई हुई थी। खिड़की से वीडियो बनाया जा रहा था और आरोपी होटल कर्मी गंदी भाषा का भी प्रयोग कर रहे थे। डमरू वाला होटल के सामने होटल उपासना पैलेस है, इसी होटल के कर्मचारियों ने खिड़की के रास्ते मोबाइल से कपल का अंतरंग वीडियो रिकॉर्ड कर लिया और बाद में सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया।

हालांकि होटल मैनेजर ने इसे होटल को बदनाम करने की साजिश बताया है। सामने वाले होटल के कर्मचारियों ने जानबूझकर वीडियो बनाकर हमारी छवि खराब करने का प्रयास किया। लेकिन इस मामले में अभी पुलिस कार्रवाई भी सवालों के घेरे में ही है।

संसद में गूंजा 'वंदे मातरम', राजनाथ सिंह बोले- यह सिर्फ एक शब्द नहीं, यह आजादी का प्रतीक है

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। संसद के भीतर सोमवार को माहौल उस समय देशभक्ति की भावनाओं से भर उठा, जब केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'वंदे मातरम' पर बोलते हुए इसे भारत की राष्ट्रीय चेतना और स्वतंत्रता संघर्ष की आत्मा बताया। राजनाथ सिंह ने कहा, 'वंदे मातरम सिर्फ एक शब्द नहीं है, यह एक भावना है, एक दर्शन है। यह भारत के स्वाभिमान और आजादी का प्रतीक है।' उन्होंने याद दिलाया कि 1905 में बंगाल विभाजन के खिलाफ चले व्यापक आंदोलन के दौरान 'वंदे मातरम' की गूंज पूरे देश में गूंज उठी थी, जिसने क्रांतिकारियों से लेकर आम जनता तक, सभी के दिलों में स्वतंत्रता की आग पैदा की। रक्षा मंत्री ने बताया कि 'वंदे मातरम' के प्रभाव से ब्रिटिश हुकूमत इतनी विचलित हुई कि इसके विरोध में एक विशेष सर्कुलर जारी किया गया, जिसमें इसे सार्वजनिक रूप से गाने पर पाबंदी लगाने का आदेश दिया गया। उन्होंने कहा, 'इंग्लिश हुकूमत इतने दमन के बाद भी भारतीयों के मानस से वंदे मातरम को कभी मिटा नहीं सकी।'

राजनाथ सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय चेतना को दिशा देने के लिए उस समय 'वंदे मातरम समिति' का गठन किया गया था, जिसने आंदोलन को संगठित रूप दिया और जनसहभागिता बढ़ाई। रक्षा मंत्री ने कहा कि 1906 में जब पहली बार भारत का पहला राष्ट्रीय ध्वज तैयार किया गया, तब उसके मध्यभाग में 'वंदे मातरम' लिखा गया था। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि उस समय 'वंदे मातरम' नाम से एक अखबार भी प्रकाशित होता था, जो स्वतंत्रता की आवाज बनकर उभरा। राजनाथ सिंह ने कहा, 'वंदे मातरम ने भारतीयों में स्वाभिमान, साहस और आत्मबल जगाने का काम किया। यही वह नारा था, जो स्वतंत्रता सेनानियों के लिए अंतिम सांस तक संघर्ष की प्रेरणा बना।' उन्होंने सभी सदस्यों से आग्रह किया कि संविधान, तिरंगे और वंदे मातरम जैसे प्रतीकों का सम्मान करना हर भारतीय का नैतिक कर्तव्य है।

एमपी में मंत्री का भाई गांजा तस्करी में गिरफ्तार, बड़ी कार्रवाई से मचा सियासी बवाल

सतना। मध्य प्रदेश में मंत्री प्रतिमा बागरी से जुड़े एक बड़ा ड्रग्स तस्करी मामला फिर सुर्खियों में आ गया है। सतना पुलिस ने उनकी फैमिली से जुड़े दो लोगों उनके भाई अनिल बागरी और एक साथी को गांजा तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। उनके पास से 46 किग्रा गांजा बरामद हुआ है। दोनों को अदालत में पेश करने के बाद सेंट्रल जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक, सतना पुलिस ने गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए अनिल बागरी और उनके साथी पंकज सिंह को कार (एमएच 49 बीबी 9699) में जाते हुए रोका। तलाशी में उनके पास से 46 किलो गांजा बरामद हुआ।

यह पहला मामला नहीं है। इस महीने की शुरुआत में 3 दिसंबर राज्य मंत्री के बहनोई शैलेंद्र सिंह उर्फ 'सिम्मू' को उत्तर प्रदेश (बांदा जिला) की पुलिस ने गांजा तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया था। तब उनके पास से लगभग 10.4 किग्रा गांजा, एक तमंचा, कार व बाइक बरामद हुई थी। पिछले कुछ समय में मंत्री के घर या परिवार से जुड़ी यह दूसरी बड़ी गिरफ्तारी है। जिसे एक बड़े गिरोह या नेटवर्क से जोड़कर देखा जा रहा।

इन गिरफ्तारीयों के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। कुछ पूर्व नेताओं और विपक्षी दल ने आरोप लगाया है कि इस तरह की तस्करी में परिवार से जुड़े लोगों के शामिल होने से संकेत मिलते हैं कि उन्हें 'राजनीतिक संरक्षण' मिल रहा हो। अब पुलिस को न सिर्फ इन दो-तीन लोगों की रिहाई या गिरफ्तारी से आगे बड़े नेटवर्क की जांच करनी होगी जिससे यह स्पष्ट हो सके कि मामला कितना संगठित है और क्या और लोग इसमें शामिल थे। सरकार और प्रशासन पर भी जवाबदेही का दबाव बढ़ गया है।

एआइएफएफ सुपर कप 2025-26

पेनल्टी शूटआउट में एफसी गोवा की रोमांचक जीत, तीसरी बार खिताब जीता

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। एआइएफएफ सुपर कप 2025-26 के फाइनल में एफसी गोवा ने ईस्ट बंगाल एफसी को पेनल्टी शूटआउट में 6-5 से मात देकर रिकॉर्ड तीसरी बार खिताब अपने नाम किया। यह सुपर कप फाइनल का इतिहास बन गया क्योंकि यह पहला मौका था जब फाइनल तक मैच अतिरिक्त समय और पेनल्टी शूटआउट तक गया।

मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों ने गोल करने के कई मौके बनाए, लेकिन नियमित समय और अतिरिक्त समय में कोई भी टीम गोल करने में कामयाब नहीं हुई। एफसी गोवा के कप्तान और मोहम्मद बसिम राशिद ने अपने पेनल्टी मौके गंवाए, वहीं ईस्ट बंगाल के कप्तान सॉल क्रेस्पो, केविन सिबिले, मिगुएल फेरेरा और अनवर अली ने अपने पेनल्टी स्कोर किए।

सडन डेथ में उदांता कुमार और साहिल तवोरा ने अपने पेनल्टी गोल कर टीम को बढ़त दिलाई, जबकि ईस्ट बंगाल के हमीद अहदाद ने स्कोर किया, लेकिन पीवी विष्णु ने मौका गंवा दिया। इस तरह एफसी गोवा ने 6-5 से जीत दर्ज की।

फाइनल का खेल शुरू से ही रोमांचक रहा। घरेलू टीम फातोर्डा स्टेडियम में दर्शकों के प्रोत्साहन से उत्साहित थी। शुरुआती कुछ अवसरों में ईस्ट बंगाल की डिफेंस ने गोल को रोका। ईस्ट बंगाल ने धीरे-धीरे खेल में पकड़ बनाई और फेरेरा को 12वें मिनट में मौका दिया, लेकिन गोल नहीं हो सका। बिपिन सिंह ने फ्लैंक से खतरनाक क्रॉस किए, लेकिन गोवा की रक्षा मजबूत रही। गोवा ने बीच के ओवरों में उदांता और निम डोरजी तमांग को उतारकर पोजिशन मजबूत की। पहले हाफ में महेश नोरम और बिपिन सिंह ने अच्छे मौके बनाए, लेकिन गोल नहीं हो सका।

एक बार फिर अतिरिक्त समय में दोनों टीमों ने गोल बनाने की कोशिश की, लेकिन गोलकीपर प्रभसुखान सिंह गिल ने ईस्ट बंगाल के कई शॉट्स को रोक दिया। एफसी गोवा ने भी कई अवसर बनाए, जिसमें सिवेरियो का शॉट और डीजन ड्राजिक की हेडर गिल ने बचाए।

आखिरकार मैच का निर्णय पेनल्टी शूटआउट पर आया। एफसी गोवा के खिलाड़ियों ने सटीक पेनल्टी के दम पर जीत हासिल की, जबकि ईस्ट बंगाल के एक खिलाड़ी ने पेनल्टी गंवाई। इस जीत के साथ एफसी गोवा ने तीसरी बार एआइएफएफ सुपर कप का खिताब अपने नाम किया।

भारत को साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 आई में बुमराह का इस्तेमाल सावधानी से करना होगा : पार्थिव पटेल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच मंगलवार से कटक में शुरू होने वाली टी20 आई सीरीज टीम इंडिया के लिए वर्ल्ड कप तैयारी का एक अहम हिस्सा मानी जा रही है। इसी बीच पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने बताया है कि उनकी सबसे बड़ी दिलचस्पी इस बात में होगी कि भारतीय टीम जसप्रीत बुमराह के ओवरों का प्रबंधन कैसे करती है। इस साल टी20 आई में भारत ने बुमराह को मुख्य रूप से पावरप्ले में इस्तेमाल किया है, जिससे डेथ ओवर्स में उनका उपयोग सीमित हो जाता है। इसके साथ ही हार्दिक पांड्या की वापसी और अभिषेक शर्मा का फॉर्म भी चर्चा के बड़े मुद्दे हैं।

पार्थिव पटेल ने इस सीरीज को भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि टीम बुमराह का उपयोग किस तरह करती है, यह बड़ा निर्णायक पहलू होगा। उन्होंने कहा कि एशिया कप के बाद से भारत लगातार पावरप्ले में बुमराह के तीन ओवर इस्तेमाल कर रहा है। यही रणनीति ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी अपनाई गई थी। हालांकि, ऐसा करने से डेथ ओवर्स के लिए केवल एक ही

ओवर बचता है, जो आमतौर पर 19वां ओवर होता है। पटेल के अनुसार, यदि भारत पावरप्ले में बुमराह से तीन ओवर करवाता है, तो टीम को डेथ ओवर्स में अर्शदीप सिंह को ज्यादा जिम्मेदारी देनी होगी। उन्होंने साफ कहा कि बुमराह की क्षमता का अधिकतम उपयोग करने के लिए ओवर मैनेजमेंट बेहद सोच-समझकर करना होगा।

एशिया कप के दौरान लगी क्वाड्रिसेप्स चोट से उबरकर हार्दिक पांड्या की टीम में वापसी भारतीय टीम के लिए राहत लेकर आई है। पटेल ने कहा कि पंड्या की मौजूदगी भारत के टी20 वर्ल्ड कप अभियान का एक अहम हिस्सा है। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन कर अपनी फॉर्म का सबूत दिया, और बैट-बॉल दोनों से टीम के लिए अहम योगदान दे सकते हैं। पटेल ने माना कि हार्दिक सिर्फ एक ऑलराउंडर ही नहीं, बल्कि एक मैच-विनर हैं, जिनकी मौजूदगी टीम को बैलेंस के साथ अनुभव भी देती है। उनका कहना है कि पंड्या वापस लय में दिखाई दे रहे हैं, और उनसे टीम को भारी उम्मीदें होंगी।

इस समय भारतीय टी20 आई टीम में सबसे ज्यादा चर्चित नामों में से एक है बाएं हाथ का ओपनर अभिषेक शर्मा। उन्होंने इस वर्ष सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 50 से अधिक की औसत और 249 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 304 रन बनाकर अपनी आक्रामक बल्लेबाज़ी का जलवा बनाए रखा है। बंगाल के खिलाफ उनकी 52 गेंदों पर 148 रन वाली पारी ने उन्हें सुर्खियों में ला दिया।

पार्थिव पटेल ने अभिषेक को 'सीजन का प्लेयर' बताते हुए कहा कि वे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। वह एशिया कप और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत के सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी भी रहे। वर्तमान में वे दुनिया के नंबर एक टी20 आई बल्लेबाज हैं और साउथ अफ्रीका के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज में भारत की सफलता काफी हद तक उनके टॉप-ऑर्डर प्रदर्शन पर निर्भर करेगी।

इंडिगो ने बिगाड़ा मूड? 800 अंक टूटा सेंसेक्स, डिफेंस शेयरों में भूचाल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। 8 दिसंबर को भारतीय शेयर बाजार में इंट्राडे ट्रेडिंग में भारी गिरावट दर्ज की गई। बेंचमार्क सूचकांकों में लगभग 1इ की गिरावट दर्ज की गई, जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में 2इ तक की भारी गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 800 अंक या लगभग 1इ की गिरावट के साथ 84, 875.59 के निचले स्तर पर आ गया, जबकि निफ्टी 50 इंडेक्स 1इ की गिरावट के साथ 25, 892.25 के निचले स्तर पर आ गया। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भारी बिकवाली देखी गई क्योंकि बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में सत्र के दौरान 2इ से अधिक की गिरावट दर्ज की गई।

बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण पिछले सत्र के ?471 लाख करोड़ से घटकर ?464 लाख करोड़ से नीचे आ गया, जिससे निवेशकों को एक ही सत्र में ?7 लाख करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ। 9 दिसंबर से शुरू होने वाली अमेरिकी फेड की दो दिवसीय बैठक से पहले निवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के प्राइम रिसर्च प्रमुख देवर्ष वकील ने कहा कि आगामी एफओएमसी बैठक, अतिरिक्त मुद्रास्फीति आंकड़ों और साल के अंत में पोर्टफोलियो समायोजन से पहले निवेशक सतर्कता बरत रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा और स्विट्ज़रलैंड के केंद्रीय बैंकों की भी इसी हफ्ते बैठक होने वाली है, हालाँकि फेड के बाहर किसी नीतिगत बदलाव की उम्मीद नहीं है।

शेयर बाजार में गिरावट के साथ हो रहे कारोबार के बीच संकट में फंसी इंडिगो एयरलाइन की पेरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन का शेयर 9 फीसदी तक टूट गया. ये एयरलाइन स्टॉक अपने पिछले बंद 5, 367.50 रुपये के लेवल से टूटकर 5, 110 रुपये पर खुला और फिर सेंसेक्स-निफ्टी की तरह फिसलता ही चला गया।

आरसीबी फैंस के लिए खुशखबरी : चिन्नास्वामी में आईपीएल मैच को लेकर सरकार का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने उन सभी अफवाहों पर विराम लगा दिया है, जिनमें कहा जा रहा था कि हालिया भगदड़ की घटना के बाद आईपीएल 2026 में आरसीबी के मैच बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम से हटाए जा सकते हैं। उन्होंने पुष्टि की कि आने वाले सीजन में भी आईपीएल मुकाबले चिन्नास्वामी स्टेडियम में ही खेले जाएंगे। शिवकुमार ने केएससीए चुनाव में वोट डालने के बाद मीडिया से कहा कि बेंगलुरु की क्रिकेट पहचान और चिन्नास्वामी का आईपीएल इतिहास किसी भी परिस्थिति में बदला नहीं जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार स्टेडियम में बड़े स्तर पर सुरक्षा सुधार, भीड़ प्रबंधन सिस्टम और कड़े नियामक मानकों को लागू करेगी।

आरसीबी की 2025 खिताबी जीत के बाद जश्न के दौरान मचे हंगामे और दुखद हादसे ने स्टेडियम की सुरक्षा पर बड़े सवाल खड़े किए थे, जिसके बाद खबरें थीं कि आईपीएल मैचों को कहीं और शिफ्ट किया जा सकता है। हालांकि शिवकुमार की घोषणा के साथ यह स्पष्ट हो गया कि चिन्नास्वामी आईपीएल 2026 के लिए पूरी तरह सुरक्षित और तैयार होगा। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि कर्नाटक सरकार भविष्य में एक नए और बड़े अंतरराष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण करने की योजना पर काम कर रही है, ताकि बढ़ती दर्शक संख्या को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और बेंगलुरु को विश्वस्तरीय स्पोर्ट्स हब के रूप में विकसित किया जा सके। केएससीए चुनावों के बीच आया यह बयान आरसीबी फैंस के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। चिन्नास्वामी को आईपीएल के सबसे रोमांचक, हाई-स्कोरिंग और ऊर्जावान स्टेडियमों में गिना जाता है, और किसी भी संभावित बदलाव से शहर के क्रिकेट प्रशंसकों में निराशा थी। शिवकुमार ने यह भी कहा कि कर्नाटक सरकार महिला क्रिकेट को मजबूत करने और महिला खिलाड़ियों के लिए बेहतर अवसर प्रदान करने पर भी लगातार काम कर रही है।

26 लाख के फ्लैट बेचे 50 लाख रुपए में ईडी जांच में सामने आया करोड़ों का घोटाला

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) गुरुग्राम की ओशन सेवन बिल्डटेक और इसके प्रमोटर्स के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जल्द ही चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी में है। यह पूरा मामला प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत बने फ्लैट्स की बिक्री में बड़े पैमाने पर हुई अनियमितताओं से जुड़ा है।

जांच एजेंसी के अनुसार कंपनी ने पीएमएवाई के फ्लैट्स को मनमाने कारणों से कैंसिल दिखाया लेकिन मूल खरीदारों को पैसे लौटाए बिना इन्हें 40-50 लाख रुपए में दोबारा बेच दिया। इन फ्लैट्स की सरकार द्वारा निर्धारित कीमत 26.5 लाख रुपए थी यानी कंपनी एक ही यूनिट से दोहरी कमाई करती रही।

ईडी की जांच में सामने आया कि रीसेल के दौरान भारी मात्रा में कैश लिया गया और इसे शेल कंपनियों के जरिए घूमाया गया। इस तरीके से कंपनी ने 222 करोड़ रुपए तक वसूलने का आरोप है। पार्किंग की बिक्री में भी कैश सिस्टम अपनाया गया और बैंक में न्यूनतम रकम ही दिखाई गई।

एजेंसी ने कोर्ट को बताया कि गुरुग्राम, महाराष्ट्र और राजस्थान में कंपनी ने जांच की आहट मिलते ही संपत्तियां तेजी से बेचनी शुरू कर दीं ताकि कार्रवाई से बचा जा सके।

ईडी का कहना है कि प्रमोटर स्वराज सिंह यादव की पत्नी अगस्त 2025 में अमेरिका चली गई थीं और हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में रह रही थीं, जबकि बच्चे कनेक्टिकट में पढ़ाई कर रहे थे। पत्नी के नाम वाले बैंक खातों में संदिग्ध लेन-देन भी पाया गया है।

अदालत ने गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी और आरोपी को 14 दिन की ईडी कस्टडी के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। एजेंसी जल्द ही अपनी चार्जशीट दाखिल कर सकती है। कंपनी की तरफ से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

मूडीज की चेतावनी, इंडिगो की उड़ान कैंसिलेशन से मुनाफे पर पड़ेगा असर, बीएसई ने भी मांगा जवाब

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कहा है कि इंडिगो की हालिया फ्लाइट कैंसिलेशन और ऑपरेशनल रुकावटें उसके क्रेडिट प्रोफाइल के लिए नकारात्मक संकेत हैं। एजेंसी के अनुसार, नई उड़ान ड्यूटी समय सीमाएँ (एफडीटीएल) नियमों की तैयारी में कमी से एयरलाइन को वित्तीय नुकसान उठाना पड़ सकता है।

मूडीज ने स्पष्ट किया कि इंडिगो की मौजूदा बा3 रेटिंग स्थिर है लेकिन अगर यही स्थिति जारी रही तो वित्त वर्ष 2026 के मुनाफे पर दबाव बढ़ सकता है। एजेंसी ने यह भी कहा कि नए नियमों की जानकारी कंपनी को एक साल पहले दी गई थी, इसके बावजूद क्रू प्लानिंग और रोस्टरिंग सिस्टम को समय पर दुरुस्त नहीं किया गया।

नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने संसद में बताया कि इंडिगो ने 1 दिसंबर 2025 को हुई क्लैरिफिकेशन मीटिंग में एफडीटीएल नियमों को लेकर कोई चिंता नहीं जताई थी लेकिन मीटिंग के अगले ही दिन कंपनी ने बड़े पैमाने पर फ्लाइट कैंसिल करना शुरू कर दिया। मंत्री ने कहा कि एयरलाइन ने बैठक में बताया था कि उसके संचालन सामान्य रूप से चल रहे हैं।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) ने इंडिगो से स्पष्टीकरण मांगा है, जिसमें मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि डीजीसीए ने सीईओ पीटर एल्बर्स को कारण बताओ नोटिस के जवाब के लिए अतिरिक्त समय दिया है और देरी पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। इस खबर के बाद इंडिगो का शेयर 8.28इ गिरकर 4, 926.55 रुपए पर बंद हुआ। कंपनी का स्टॉक इस महीने अब तक 16.54इ टूट चुका है और नवंबर के आखिरी कारोबारी दिन के मुकाबले 976 रुपए फिसल गया है।

सूर्यकुमार यादव का बड़ा बयान : घरेलू क्रिकेट इंटरनेशनल सफलता की असली कुंजी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टी20 आई सीरीज की शुरुआत से पहले टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने स्पष्ट किया कि घरेलू क्रिकेट खेलना किसी भी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी के लिए सबसे मजबूत तैयारी का माध्यम है। टी20 वर्ल्ड कप 2025 से पहले होने वाली यह सीरीज भारत की अंतिम और बेहद अहम परीक्षा मानी जा रही है। स्काई, संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा और शिवम दुबे जैसे खिलाड़ी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन के बाद इस सीरीज में उतर रहे हैं। सूर्यकुमार मानते हैं कि घरेलू मंच खिलाड़ी को मैच फिट रहने और अपनी तकनीक निखारने का बेहतरीन मौका देता है।

सूर्यकुमार यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में साफ कहा कि जब खिलाड़ी इंटरनेशनल मैचों में व्यस्त नहीं होते, तब घरेलू क्रिकेट में लौटना बेहद आवश्यक है। उनके अनुसार घरेलू क्रिकेट का कड़ा वातावरण खिलाड़ी को चुनौती देता है और उसे गेम के साथ जुड़े रहने में मदद करता है। उन्होंने कहा, 'डोमेस्टिक क्रिकेट आपको आपकी जड़ों से जोड़ता है। वहां का मुकाबला कठिन होता है और वह आपको लगातार बेहतर बनने की प्रेरणा देता है।'

भारतीय टीम के कई खिलाड़ी हाल ही में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी खेलकर लौटे हैं। एसकेवाई का मानना है कि ऐसा अनुभव खिलाड़ियों को तेज़-तर्रार टी20 माहौल में ढलने में मदद करता है। अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और शिवम दुबे जैसे खिलाड़ी टूर्नामेंट में उत्कृष्ट फॉर्म दिखा चुके हैं, जिसका फायदा टीम इंडिया को साउथ अफ्रीका के खिलाफ मिल सकता है।

सूर्यकुमार ने कहा कि घरेलू मैच खेलने के बाद जब खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उतरता है, तो वह पहले से ही खेल की रफ्तार के अनुरूप तैयार होता है। उन्होंने कहा, 'डोमेस्टिक मैच आपको मानसिक और तकनीकी रूप से मजबूत बनाते हैं। इंटरनेशनल मैच से पहले यह सबसे बेहतर तैयारी होती है।'

भारतीय टीम पिछले पांच-छह सीरीज से लगभग एक जैसी प्लेइंग कॉम्बिनेशन के साथ खेल रही है। सूर्यकुमार ने बताया कि आगामी दोनों सीरीज में भी टीम किसी बड़े बदलाव से बचना चाहती है। उनके अनुसार, 'हम वही क्रिकेट खेलना चाहते हैं जिसे हमने पिछले एक साल में मजबूत किया है। हमारी रणनीति साफ है और हम उसे बदलना नहीं चाहते।'

सेबी ने मर्चेंट बैंकर से संबंधित नियमों में किया बदलाव

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मर्चेंट बैंकर के लिए पूंजी पर्याप्तता ढांचा लागू करते हुए नियमों में बदलाव किया है। इसके तहत नकदी वाली शुद्ध संपत्ति की जरूरत होगी और स्वीकृत गतिविधियों से न्यूनतम राजस्व को अनिवार्य किया जाएगा। नए नियमों का उद्देश्य वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना, जोखिम प्रबंधन में सुधार करना तथा व्यापार को आसान बनाना है।

बाजार नियामक सेबी ने तीन दिसंबर को जारी एक अधिसूचना में मर्चेंट बैंकर को एक ही कंपनी के अंतर्गत अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर की गतिविधियां चलाने की अनुमति कुछ शर्तों के साथ दे दी है।

सेबी की अधिसूचना के मुताबिक, एक मर्चेंट बैंकर ऐसी गतिविधियां कर सकता है जो किसी अन्य वित्तीय क्षेत्र नियामक (एफएसआर) के दायरे में आती हैं। साथ ही सेबी या किसी अन्य वित्तीय स्थिरता बोर्ड (एफएसबी) के दायरे में नहीं आने वाली गतिविधियां शुल्क आधारित, गैर-निधि आधारित होनी चाहिए और वित्तीय सेवा क्षेत्र से संबंधित होनी चाहिए। यह निर्णय सेबी के निदेशक मंडल की दिसंबर, 2024 में हुई बैठक में गैर-विनियमित गतिविधियों को एक अलग कानूनी इकाई में स्थानांतरित करने की मंजूरी देने के बाद आया है।

जल्द ओटीटी पर रिलीज हो रहा है 'फोर मोर शॉट्स' का फाइनल सीजन, शरारत और पागलपन से भरी है सीरीज

फोर मोर शॉट्स प्लीज!सीरीज का पहला सीजन साल 2019 में आया था जिसे काफी पसंद किया गया था। यह सीरीज इंटरनेशनल एमी-नॉमिनेटेड हो चुकी है। इसके तीन सीजन सीजन आ चुके हैं और अब चौथा सीजन रिलीज को तैयार है। लंबे इंतजार के बाद फोर मोर शॉट्स का फाइनल सीज़न आखिरकार तीन साल बाद रिलीज़ होने जा रहा है। दर्शक काफी समय से इसके आखिरी सीजन की इंतजार कर रहे थे। अब यह भी साफ हो गया है कि यह ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म पर किस तारीख से स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगा। 5 दिसंबर को मेकर्स ने फोर मोर शॉट्स प्लीज के फाइनल सीजन की रिलीज डेट का एलान कर दिया है।

चौथे सीजन में भी सयानी गुप्ता, कीर्ति कुल्हारी, बानी जे और मानवी गगारू ने वापसी की है। इसके साथ ही इस सीरीज में प्रतीक स्मिता पाटिल, मिलिंद सोमन, राजीव सिद्धार्थ, लीजा रे और अंकुर राठी जैसे एक्टर्स नजर आएंगे।

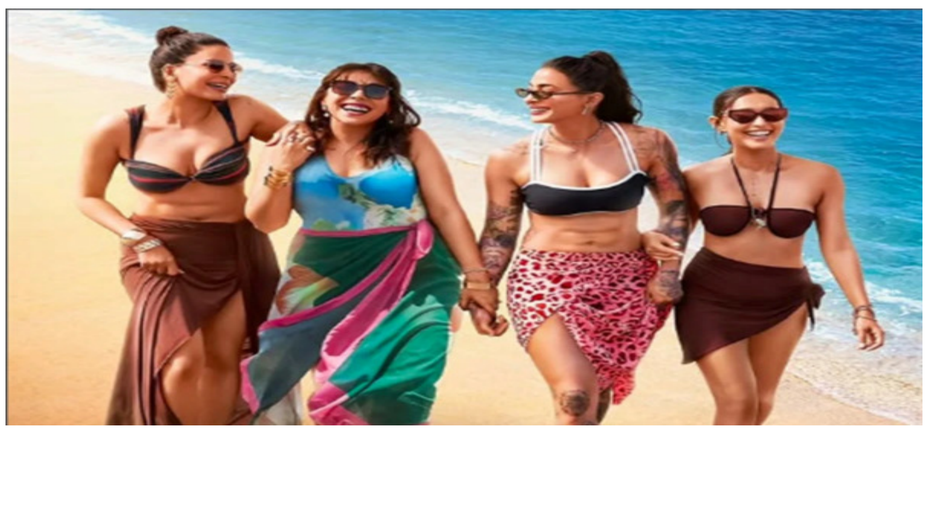

फोर मोर शॉट्स प्लीज!वेब सीरीज को आप ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर 19 दिसंबर से स्ट्रीम होगी। यह सीरीज प्रितीश नंदी कम्युनिकेशंस ने बनाई है, जिसे रंगिता प्रितीश नंदी और इशिता प्रितीश नंदी ने क्रिएट किया है। फोर मोर शॉट्स प्लीज सीजन 4 का डायरेक्शन अरुणिमा शर्मा और नेहा पार्टी मत्यानी ने किया है।

यह सीरीज अपने आखिरी पड़ाव पर है, वहीं हंगामा लेकर फोर मोर शॉट्स प्लीज लौट रही है। इस बार सीरीज में असली दोस्ती, बिन झिझक आजादी और औरतों की कशमश के इर्द-गिर्द घूमेगी। एक बार फिरसे इन चार लड़कियों का पागलपन और शरारत भरी चीजों से दर्शकों का दिल चुराएंगी। ट्रेवल गोल्स के साथ चारों की दोस्ती का टेस्ट किया जाएगा। इस बार सीरीज में फुल ड्रामा और सस्पेंस देखने को मिलेगा।

लाइव कॉन्सर्ट के दौरान स्टेज पर कनिका कपूर संग शख्स ने की गंदी हरकत, वीडियो देखकर आ जाएगा गुस्सा

पॉपुलर सिंगर कनिका कपूर ने कई बेहतरीन गाने गाए है और लोगों का मनोरंजन किया है। उनकी प्यारी आवाज फैंस को बहुत पसंद आती है। कनिक कपूर एक बार फिर चर्चा में आ गई हैं और इसकी वजह लाइफ कॉन्सर्ट में उनके साथ हुई बदसलूकी। दरअसल सिंगर के लाइव कॉन्सर्ट के दौरान एक शख्स ने ऐसी हरकत की है, जिसे देखकर किसी को भी गुस्सा आए जाए। सिंगर स्टेज पर परफॉर्म कर रही थीं तभी एक शख्स ने स्टेज पर उनके बदसलूकी की और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। आइए देखते हैं कि कनिका कपूर के वीडियो में क्या है।

कनिका कपूर का एक वीडियो सामने आया है, जिसको देखकर किसी का खून खौल जाए। दरअसल, कनिका कपूर मे-गोंग फेस्टिवल के दौरान लाइव परफॉर्मेंस दे रही थीं और उनके तमाम चाहने वाले फैंस एंजॉय कर रहे थे। इस दौरान एक शख्स स्टेज पर चढ़ा और उनके साथ बदतमीजी करने लगा। तभी मौके पर मौजूद सिक्योरिटी ने उस शख्स को स्टेज से नीचे उतारा। इसके बाद भी कनिका कपूर ने बिना रुके अपनी परफॉर्मेंस जारी रखी। सिंगर वीडियो वायरल होते ही लोग इस पर रिएक्शन दे रहे हैं। कनिका कपूर के फैंस इस तरह की हरकत से नाराज नजर आ रहे हैं। वहीं, सोशल मीडिया पर तमाम यूजर्स ने इसे पब्लिसिटी स्टंट बताया और कहा है कि ये पहले से प्लानिंग में था।

सिंगर कनिका कपूर के करियर पर नजर डालें तो उन्होंने 'बेबी डॉल', 'जुगनी जी', 'चिट्टियां कलाइयां', 'कमली', 'देसी लुक' जैसे चर्चित गानों को अपनी आवाज दी है। लखनऊ की रहने वाली कनिका कपूर ने साल 2012 में मुंबई का रास्ता पकड़ा लिया था। इसके बाद कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। कनिका कपूर के गानों को सुनने के लिए फैंस एक्साइटेड रहते हैं।

वंदे मातरम पर चर्चा से डरती है कांग्रेस, अनुराग ठाकुर ने संसद में राहुल-प्रियंका पर साधा निशाना

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने सोमवार को लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन में शामिल नहीं होने के लिए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा की आलोचना की और कहा कि गांधी परिवार वंदे मातरम पर चर्चा करने से डरता है। वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर चर्चा के दौरान संसद के निचले सदन को संबोधित करते हुए, अनुराग ठाकुर ने पीएम मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उनका संबोधन आने वाली पीढ़ी के लिए एक ऐतिहासिक दस्तावेज के रूप में काम करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने वंदे मातरम पर चर्चा की शुरुआत की। वंदे मातरम के 100वें वर्षगांठ वर्ष में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाया और संविधान की धज्जियाँ उड़ा दीं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में वंदे मातरम के इतिहास और सांस्कृतिक महत्व को सामने रखा। यह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज़ बनेगा, जो बताएगा कि कैसे वंदे मातरम ने राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोया।

वंदे मातरम की सराहना करते हुए, भाजपा सांसद ने कहा कि यह राष्ट्र की आत्मा का गीत है और एक 'महामंत्र' है। उन्होंने सदन में कहा कि यह सिर्फ़ एक गीत नहीं, बल्कि एक महामंत्र है। यह किसी धर्म, व्यक्ति या राज्य का गीत नहीं है, बल्कि राष्ट्र की आत्मा, गौरव और आकांक्षाओं का गीत है। यह राष्ट्र प्रेम की परंपरा है, इसीलिए कांग्रेस इससे डरती है। वे इतने डरे हुए हैं कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने चर्चा शुरू की, तो इतने लंबे समय तक शासन करने वाले परिवार के दो सदस्य सदन में मौजूद नहीं थे। संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए, ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का आज लोकसभा में दिया गया भाषण एक ऐतिहासिक दस्तावेज़ बन गया है जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देगा। वंदे मातरम एक ऊर्जा है, लेकिन कुछ लोगों के लिए यह एक एलर्जी है। जुलाई 2018 में राहुल गांधी ने कहा था कि वंदे मातरम की केवल एक पंक्ति बोलें, नेहरू जी ने वंदे मातरम को दो छंदों तक सीमित कर दिया, और आज दोनों भाई-बहन लोकसभा से गायब हो गए।

इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने संसद में चर्चा के दौरान राहुल गांधी की अनुपस्थिति की भी आलोचना की और कहा कि कांग्रेस ने राष्ट्रगीत से समझौता किया और मुस्लिम लीग के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। शीतकालीन सत्र के छठे दिन लोकसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि संसद में गंभीर चर्चा चल रही है, लेकिन विपक्ष के नेता राहुल गांधी सदन में मौजूद नहीं हैं। पहले नेहरू और अब राहुल गांधी ने वंदे मातरम का अनादर किया है।

ब्लास्ट केस में एनआईए की कार्रवाई, 4 आरोपियों की हिरासत 4 दिन के लिए बढ़ाई

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पटियाला हाउस कोर्ट स्थित विशेष एनआईए अदालत ने सोमवार को दिल्ली विस्फोट के आरोपियों पुलवामा (जम्मू-कश्मीर) निवासी डॉ. मुजम्मिल शकील गनई, अनंतनाग (जम्मू-कश्मीर) निवासी डॉ. अदील अहमद राथर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) निवासी डॉ. शाहीन सईद और शोपियां (जम्मू-कश्मीर) निवासी मुफ्ती इरफान अहमद वागे की राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) की हिरासत चार दिनों के लिए बढ़ा दी। 10 दिनों की एनआईए हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद उन्हें अदालत में पेश किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश (विशेष एनआईए न्यायाधीश) अंजू बजाज चंदना ने बंद कमरे में हुई सुनवाई में आरोपियों की एनआईए हिरासत चार दिनों के लिए बढ़ा दी।

एनआईए ने दिल्ली विस्फोट मामले की जांच और मामले में उनकी भूमिका का पता लगाने के लिए

आरोपियों की पांच दिनों की और रिमांड मांगी थी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा था कि उसने राष्ट्रीय राजधानी में लाल किले के बाहर 10 नवंबर को हुए विस्फोट में शामिल चार और प्रमुख आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस विस्फोट में 15 लोगों की जान चली गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। एजेंसी ने कहा था कि चारों आरोपियों को पटियाला हाउस कोर्ट के जिला सत्र न्यायाधीश के पेशी आदेश पर जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में एनआईए ने हिरासत में लिया था। एनआईए ने यह भी कहा था कि उसने पहले दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया था - आमिर राशिद अली, जिसके नाम पर विस्फोट में इस्तेमाल की गई कार पंजीकृत थी, और जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश, जिसने घातक हमले में शामिल आतंकवादी को तकनीकी सहायता प्रदान की थी।

मामले में पूरी आतंकी साजिश का पर्दाफाश करने के एनआईए के प्रयासों के तहत उनसे पूछताछ जारी है। आतंकवाद-रोधी एजेंसी, जिसे हमले के तुरंत बाद भारत सरकार के केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जांच सौंपी गई थी, नरसंहार में शामिल आतंकवादी मॉड्यूल के प्रत्येक सदस्य का पता लगाने और उसे गिरफ्तार करने के लिए विभिन्न राज्य पुलिस बलों के साथ मिलकर काम कर रही है।

लालकृष्ण आडवाणी ने जिन्ना को सराहा

वंदे मातरम पर नेहरू की आलोचना को लेकर जयराम रमेश ने पीएम मोदी पर किया पलटवार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने सोमवार को वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर संसदीय बहस के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए उन्हें 'विकृतियों का उस्ताद' करार दिया। कांग्रेस सांसद ने लिखा कि किस भारतीय नेता ने 2009 में अपनी किताब में जिन्ना की प्रशंसा की थी? भाजपा की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, श्यामा प्रसाद मुखर्जी फजलुल हक के नेतृत्व वाली प्रगतिशील गठबंधन सरकार में वित्त मंत्री के रूप में शामिल हुए और एक साल से भी कम समय में इस्तीफा दे दिया।

लालकृष्ण आडवाणी ने 2005 में कराची का दौरा किया था और जिन्ना मकबरे की आगंतुक पुस्तिका में एक संदेश लिखा था। ऐसे बहुत से लोग हैं जो इतिहास पर अपनी अमिट छाप छोड़ जाते हैं। लेकिन बहुत कम लोग होते हैं जो वास्तव में इतिहास रचते हैं। कायदे-आज़म मोहम्मद अली जिन्ना ऐसे ही एक दुर्लभ व्यक्ति थे। भारत के स्वतंत्रता संग्राम की एक प्रमुख हस्ती, सरोजिनी नायडू ने श्री जिन्ना को हिंदू-मुस्लिम एकता का राजदूत बताया था। 11 अगस्त, 1947 को पाकिस्तान की संविधान सभा को दिया गया उनका संबोधन एक धर्मनिरपेक्ष राज्य का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसमें प्रत्येक नागरिक अपने धर्म का पालन करने के लिए स्वतंत्र होगा, लेकिन राज्य आस्था के आधार पर एक नागरिक और दूसरे के बीच कोई भेद नहीं करेगा। रमेश की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आज संसद में चर्चा के दौरान राहुल गांधी की अनुपस्थिति की आलोचना करने के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस ने राष्ट्रगीत से समझौता किया और मुस्लिम लीग के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

डीजीसीए ने इंडिगो के वरिष्ठ अधिकारियों को भेजा हाई लेवल कमेटी का समन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। इंडिगो एयरलाइंस की सैकड़ों उड़ानों के अचानक रद्द होने और इसके कारण यात्रियों को हुई भारी परेशानियों को देखते हुए नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कड़ा रुख अपनाया है। सूत्रों के अनुसार, डीजीसीए द्वारा गठित चार-सदस्यीय हाई-लेवल कमेटी ने इंडिगो के शीर्ष अधिकारियों को पूछताछ के लिए समन जारी किया है। पिछले छह दिनों में इंडिगो की 3, 900 उड़ानें रद्द हुई हैं, जिनके संबंध में समिति विस्तृत पूछताछ करेगी।

सूत्रों के मुताबिक, समिति इस सप्ताह इंडिगो के सीईओ पीटर एलबर्स सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से सवाल-जवाब करेगी। डीजीसीए ने इंडिगो संकट को बेहद गंभीर मुद्दा मानते हुए इसकी गहन जांच के लिए विशेष समिति का गठन किया है। अब समिति ने सीईओ पीटर एलबर्स सहित शीर्ष अधिकारियों को दिल्ली मुख्यालय में पेश होने के निर्देश दिए हैं। उधर, पिछले कई दिनों से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह की इंडिगो उड़ानों के रद्द होने से हजारों यात्री हवाई अड्डों पर फंसे रहे। इससे यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही पर्यटन उद्योग, खासकर राजस्थान जैसे पर्यटन प्रधान राज्यों को भी करोड़ों रुपये का नुकसान झेलना पड़ा है।

1 लाख लोग करेंगे कुरान का पाठ, टीएमसी के निलंबित विधायक ने दिया बड़ा बयान

कोलकाता। नई बाबरी पर हुमायूं कबीर का बड़ा बयान सामने आया। उनका कहना है 1 लाख लोग कुरान का पाठ करेंगे। ये बड़ी खबर है। चावल और मांस का भोज होगा। हुमायूं कबीर ने कहा। हुमायूं कबीर ने आगे यह भी कहा है कि उन्होंने गीता पाठ किया। अब हम कुरान का पाठ करेंगे। दरअसल हमने कल देखा था कि कोलकाता में सामूहिक गीता पाठ किया गया था। हुमायूं कबीर कह रहे हैं कि उन्होंने गीता पाठ किया था। तब इसके बदले में हम यहां पर कुरान का पाठ करेंगे और जो भोज होगा उसमें बांस और चावल होगा। सनातन धर्मावलंबी मानुष उनका पवित्र गीता पाठ कर रहा है।

कबीर ने कहा कि फरवरी में कुरान पाठ के बाद बाबरी मस्जिद के निर्माण का काम शुरू होगा। कबीर ने इससे पहले 6 दिसंबर को बाबरी मस्जिद विध्वंस की वर्षगांठ के दिन मुर्शिदाबाद जिले में अयोध्या की बाबरी मस्जिद के मॉडल पर आधारित एक मस्जिद की नींव रखी थी। टीएमसी ने हुमायूं कबीर को पार्टी विरोधी गतिविधियों और सांप्रदायिक राजनीति का आरोप लगाते हुए पार्टी से निलंबित कर दिया है। इस बीच, विभिन्न मठों और हिंदू धार्मिक संस्थानों के साधु और आध्यात्मिक नेताओं के समूह सनातन संस्कृति संसद ने कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में 'पंच लाखो कंठे गीता पाठ' (पांच लाख आवाजों द्वारा गीता पाठ) का आयोजन किया गया।

कोलकाता में आयोजित सामूहिक गीता पाठ कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता सुकांत मजूमदार ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 2026 विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में धार्मिक आधार पर वोटों का ध्रुवीकरण कर रही हैं। उन्होंने कहा कि टीएमसी सरकार 'कट्टरपंथी शक्तियों' को बढ़ावा दे रही है और हिंदू समाज खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। कार्यक्रम में कई भाजपा नेता शामिल हुए। आयोजकों ने इसे आध्यात्मिक आयोजन बताया, हालांकि इसके राजनीतिक मायने भी चर्चा में है।

शेख हसीना का नाम लेकर ऐसा क्या बोले यूनुस, भारत ने कराई बोलती बंद

ढाका। भारत ने एक ऐसा फैसला लिया है जिसने बांग्लादेश और पाकिस्तान की जबरदस्त धज्जियां उड़ा कर रख दी है। शेख हसीना को लेकर भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जय शंकर ने पूरी दुनिया के सामने वो ऐलान कर दिया कि यूनुस के पैरों तले जमीन खिसक गई। यूनुस ने बड़ी प्लानिंग रची, चालबाजी की। मगर सारी की सारी चालबाजी को भारत ने एक ही झटके में क्लीन बोल्ड कर डाला। शेख हसीना जब पिछले साल बांग्लादेश में हुए सियासी बदलाव के बाद भारत आई तब से यूनुस सरकार उनके पीछे लग गई। भारत सरकार पर भी तरह-तरह की बातें की गई। अभी पिछले महीने ही बांग्लादेश के ट्रिब्यूनल कोर्ट में शेख हसीना को सजा दी गई। जिसके बाद भारत को लेकर भी यह लेटर जारी किए गए कि अब शेख हसीना को बांग्लादेश आना ही पड़ेगा। मगर अब बांग्लादेश की हवाबाजी भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने निकाल दी।

दरअसल जब एक इंटरव्यू के दौरान उनसे पूछा गया कि क्या हसीना का भारत में जब तक वह चाहे रहने का स्वागत है तो इस पर उन्होंने कहा कि वो एक खास हालात में यहां आई थी और वह हालात साफ तौर पर उनके साथ जो होता है उसमें एक अहम फैक्टर निभा रहा है। लेकिन यह कुछ ऐसा है जो उन्हें तय करना होगा। विदेश मंत्री ने यह भी दोहराया कि भारत ने शेख हसीना को आश्वासन दिया है कि वह जब तक चाहे भारत में रह सकती हैं। भारत सरकार ने पहले भी कई बार कहा है कि मानवीय आधार पर हसीना को शरण दी गई है और उनकी सुरक्षा तथा सुविधा का पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

नई दिल्ली और ढाका के बीच संबंधों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, जयशंकर ने पड़ोसी देश में एक विश्वसनीय लोकतांत्रिक प्रक्रिया की आवश्यकता पर भारत के रुख पर ज़ोर दिया। बांग्लादेश में पिछले राजनीतिक मुद्दों का उल्लेख करते हुए, जयशंकर ने कहा कि हमने सुना है कि बांग्लादेश के लोगों, खासकर जो अब सत्ता में हैं, को पहले चुनावों के संचालन के तरीके से समस्या थी। अब, अगर मुद्दा चुनाव का है, तो सबसे पहले निष्पक्ष चुनाव कराना होगा। जयशंकर ने द्विपक्षीय संबंधों के भविष्य के प्रति आशा व्यक्त करते हुए अपने भाषण का समापन किया और अपने पड़ोसी के प्रति भारत की लोकतांत्रिक प्राथमिकता पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि हाँ तक हमारा संबंध है, हम बांग्लादेश के लिए शुभकामनाएँ देते हैं। एक लोकतांत्रिक देश के रूप में हम मानते हैं कि कोई भी लोकतांत्रिक देश लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से लोगों की इच्छा को सुनिश्चित होते देखना पसंद करता है।

मेडल पहनते ही ट्रंप को लगा करंट मोदी-पुतिन की छूट जाएगी हंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ऐसा करंट लगा है जिसने उनके अहंकार को जलाकर राख कर दिया है। पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन की मुलाकात के बाद डोनाल्ड ट्रंप के साथ जो हुआ है उसने अमेरिका और यूरोप में बवाल मचा दिया है। अमेरिका और यूरोप के लोग डोनाल्ड ट्रंप पर इतना भड़क गए हैं कि उन्हें देशद्रोही बोल रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप को रूसी नागरिक तक बोल रहे हैं। सोशल मीडिया पर ट्रंप इज ट्रेटर और ट्रंप इस रशियन नाम के ट्रेंड चल रहे हैं। पीएम मोदी और पुतिन की मुलाकात के बाद डोनाल्ड ट्रंप को कैसे कर्मों का फल मिला है उसे देखकर भारत के लोगों को सबसे ज्यादा सुकून मिलेगा। ट्रंप ने एक ही समय पर अपने दोनों पैर कुल्हाड़ी पर जाकर मारे हैं। ट्रंप ने दुनिया में क्या दो बवाल खड़े कर दिए हैं वो आपको इस वीडियो में बताते हैं।

दुनिया का सबसे पॉपुलर स्पोर्ट फुटबॉल कराने वाली फुटबॉल एजेंसी फीफा ने डोनाल्ड ट्रंप को कई जंग रुकवाने के लिए शांति का पुरस्कार दे दिया। लेकिन इसके बाद जो हुआ उसने पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया। शांति का

यह अवार्ड पाने के लिए डॉन्ड ट्रंप इतने उतावले दिखे कि वो खुद ही मेडल पर लपक पड़े और खुद ही मेडल पहन भी लिया। मेडल पहनने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत पाकिस्तान के बीच सीज फायर कराने का क्रेडिट खाया। इसके अलावा डॉन्ड ट्रंप ने कहा कि मैंने कंबोडिया और थाईलैंड के बीच जंग रुकवाई। ऐसी ही कई जंग मैंने रुकवाई।

लेकिन ट्रंप को पता नहीं था कि मेडल पहनते ही उन्हें झटका लगने वाला है। दरअसल जैसे ही डोनाल्ड ट्रंप ने मेडल पहना उसके कुछ ही घंटों बाद कंबोडिया और थाईलैंड में एक बार फिर जंग शुरू हो गई। थाईलैंड ने कंबोडिया पर एयर स्ट्राइक कर दी। जिसका जवाब कंबोडिया ने भी दिया। मजे की बात देखिए कि 2 महीने पहले ही ट्रंप ने कंबोडिया और थाईलैंड के बीच सीज फायर साइन करवाया था। डॉनल्ड ट्रंप दुनिया के सामने छाती पीट कर कह रहे थे कि देखिए मेरी ताकत और मजे की बात देखिए कि थाईलैंड ने कंबोडिया पर एयर स्ट्राइक कर दी। आपको बता दें कि एक शिव मंदिर के लिए कंबोडिया और थाईलैंड के बीच दशकों से जंग चल रही है और अब कुछ समय की शांति के बाद यह जंग दोबारा भड़क गई है।

दोनों पक्ष एक-दूसरे पर पहले हमला करने का आरोप लगा रहे हैं। ट्रंप ने नवंबर के मध्य में कहा था कि उन्होंने दोनों देशों के बीच युद्ध को रुकवा दिया है जबकि तनाव अब भी बना हुआ है। रविवार को सीमा पर एक और झड़प हुई, जिसके बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे पर पहले गोली चलाने का आरोप लगाया। थाई सेना ने कहा कि कंबोडियाई गोलीबारी में उसके दो सैनिक घायल हुए और उसके जवाब में थाई सैनिकों ने पलटवार किया। दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी का यह सिलसिला लगभग 20 मिनट तक चला। कंबोडिया ने कहा कि पहले गोलीबारी थाई पक्ष ने की और उसके सैनिकों ने जवाबी कार्रवाई नहीं की।

मैंने 8 युद्ध खत्म करवाए : इधर ट्रंप कर रहे थे बड़ा दावा, तभी पीस प्लान को पलीता लगा कंबोडिया ने यहां मिसाइल गिरा दिया

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का एक बयान है। दरअसल मैंने आठ युद्ध खत्म किए थे। बोले ट्रंप रूस यूक्रेन युद्ध आसान लगा था। इसे आसान नहीं बनाया जा रहा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से जब इस तरह के बड़े बड़े दावे किए जा रहे थे तभी कंबोडिया ने अमेरिकी राष्ट्रपति के पीस प्लान को पलीता लगाकर थाईलैंड को हमले से दहला दिया। थाईलैंड के कई इलाकों में अफरातफरी का माहौल बताया जा रहा है। तो एक बार फिर से थाईलैंड में हमला कर दिया गया। थाईलैंड और कंबोडिया वॉर की शुरुआत फिर से हो गई है। डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्था में कहा गया था कि सीज फायर कराया गया लेकिन एक बार फिर से दोनों देश भिड़ गए हैं।

दोनों पक्ष एक-दूसरे पर पहले हमला करने का आरोप लगा रहे हैं। ट्रंप ने नवंबर के मध्य में कहा था कि उन्होंने दोनों देशों के बीच युद्ध को रुकवा दिया है जबकि तनाव अब भी बना हुआ है। रविवार को सीमा पर एक और झड़प हुई, जिसके बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे पर पहले गोली चलाने का आरोप लगाया। थाई सेना ने कहा कि कंबोडियाई गोलीबारी में उसके दो सैनिक घायल हुए और उसके जवाब में थाई सैनिकों ने पलटवार किया। दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी का यह सिलसिला लगभग 20 मिनट तक चला। कंबोडिया ने कहा कि पहले गोलीबारी थाई पक्ष ने की और उसके सैनिकों ने जवाबी कार्रवाई नहीं की। सोमवार को थाई सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल विनथाई सुवरी ने कहा कि कंबोडियाई सैनिकों ने थाईलैंड के कई इलाकों में पहले गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि एक थाई सैनिक मारा गया और चार अन्य घायल हुए तथा प्रभावित क्षेत्रों से नागरिकों को निकाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि थाईलैंड ने कंबोडियाई हमलों से निपटने के लिए कई क्षेत्रों में सैन्य ठिकानों पर हमला करने के लिए विमान का इस्तेमाल किया। कंबोडियाई रक्षा मंत्रालय की प्रवक्ता माली सोचेता ने कहा कि थाई सेना ने ही सबसे पहले कंबोडियाई सैनिकों पर हमला किया था।

बांग्लादेश में हिंदू स्वतंत्रता सेनानी और पत्नी की निर्मम हत्या, दोनों बेटे पुलिस में! मच गया बवाल

ढाका। बांग्लादेश में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। रंगपुर जिले में 1971 के मुक्ति संग्राम के योद्धा 75 वर्षीय जोगेश चंद्र रॉय और उनकी पत्नी 60 वर्षीय सुवर्णा रॉय की घर में गला रेतकर हत्या कर दी गई। यह घटना रविवार तड़के करीब 1 बजे हुई। रविवार सुबह जब पड़ोसियों और घरेलू सहायकों ने काफी देर तक दरवाजा खटखटाया लेकिन कोई जवाब नहीं मिला, तो उन्हें शक हुआ। पड़ोसियों ने सीढ़ी लगाकर घर में प्रवेश किया। अंदर का दृश्य भयावह था। सुवर्णा रॉय का शव रसोई में पड़ा था और जोगेश चंद्र रॉय का शव डाइनिंग रूम में। स्वतंत्रता सेनानी संगठनों और ग्रामीणों में गहरा आक्रोश है। उनका कहना है कि'यह सिर्फ हत्या नहीं, बल्कि मुक्ति संग्राम के नायकों का अपमान है।'उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर अपराधियों को तुरंत गिरफ्तार नहीं किया गया, तो वे बड़े पैमाने पर सड़कों पर उतरेंगे। पुलिस की जांच में पता चला कि हमला करीब 1 बजे रात में हुआ लेकिन अभी तक न ईंध दर्ज हुई, न कोई संदिग्ध पहचाना गया पुलिस के अनुसार परिवार की किसी से कोई दुश्मनी या विवाद का रिकॉर्ड नहीं मिला। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग ने हत्या की जिम्मेदारी मौजूदा अंतरिम सरकार और मुहम्मद यूनुस पर डाली है। पूर्व सूचना मंत्री मोहम्मद अली अराफात ने कहा कि 'यूनुस शासन में मुक्ति संग्राम के नायकों पर हमले बढ़ गए हैं। जमात-ए-इस्लामी समर्थित सरकार में स्वतंत्रता सेनानियों की हत्याएँ तक हो रही हैं।'

उषा को वापस भेजो, जेडी वेंस के प्रवासन वाले बयान पर सोशल मीडिया पर किया गया ट्रोल

वाशिंगटन। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने एक बार फिर राजनीतिक बहस में उलझते हुए घोषणा की है कि बड़े पैमाने पर प्रवासन अमेरिकी सपने की चोरी है। यह बात इंटरनेट पर तुरंत चर्चा का विषय बन गई, पाखंड के आरोप लगने लगे और नाश्ते से पहले हजारों मीम्स जारी हो गए। वेंस ने इस सप्ताह यह घोषणा करके राजनीतिक खलबली मचा दी कि सामूहिक प्रवासन अमेरिकी सपने की चोरी है, जिसे आलोचकों ने तुरंत पाखंडी करार दिया क्योंकि उनकी पत्नी उषा, भारतीय प्रवासियों की अमेरिकी मूल की बेटी हैं।

वेंस ने एक्स पर एक पोस्ट में यह दावा किया था, जिसमें उन्होंने चेतावनी दी थी कि आप्रवासी अमेरिकी श्रमिकों के अवसरों को छीन रहे हैं, तथा आरोप लगाया था कि जो भी अध्ययन इसके विपरीत कहते हैं, वे पुरानी व्यवस्था से अमीर बन रहे लोगों द्वारा वित्तपोषित हैं। एक यूजर ने तुरंत जवाब दिया इसका मतलब है कि आपको उषा, उसके भारतीय परिवार और अपने द्विजातीय बच्चों को वापस भारत भेजना होगा। हवाई जहाज़ के टिकट खरीदते समय हमें बताएँ। आपको खुद उदाहरण पेश करना होगा।

इस बीच, व्यापक आव्रजन प्रतिबंध जारी है। ट्रम्प प्रशासन ने 19 'उच्च-जोखिम' वाले देशों से आने वाले आव्रजन आवेदनों पर व्यापक रोक लगा दी है, जिससे लाखों लोगों के ग्रीन कार्ड, शरण के दावे और नागरिकता के अनुरोध रुक गए हैं। यूएससीआईएस का कहना है कि यह कदम वाशिंगटन डीसी में एक अफ़ग़ान शरणार्थी द्वारा नेशनल गार्ड के एक सदस्य की गोली मारकर हत्या के बाद सुरक्षा चिंताओं से जुड़ा है, जबकि अप्रवासी परिवारों का तर्क है कि यह सामूहिक दंड के समान है, जिसे नीतिगत रूप से प्रस्तुत किया जा रहा है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।

● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचनाः- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।